http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 58

प्रयागराज गुरुवार 14 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर

● टॉप-2 में भारत-पाकिस्तान के जिले, कहां-कहां जहरीली हुई हवा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दुनिया भर के शहरों में लोगों को वायु प्रदूषण की वजह से सांस लेने में तकलीफ का सामना कर रहा है। दुनिया के सबसे प्रदूषित 121 देशों की सूची में भारत के तीन शहर हैं। जबकि पाकिस्तान के दो। आइए जानते हैं किन शहरों की हवा जहरीली है। भारत समेत दुनिया के अलग-अलग शहरों में लोगों को वायु प्रदूषण की वजह से सांस लेने में तकलीफ का सामना कर रहा है। दुनिया के सबसे प्रदूषित 121 देशों की सूची में भारत के तीन शहर हैं। इसमें राजधानी दिल्ली, कोलकाता और मुंबई है। स्विस फर्म आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग में 13 नवंबर को राजधानी दिल्ली पहले नंबर पर है। आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग देखने से पता चलता है कि 515 एक्यूआई के साथ दिल्ली पूरी दुनिया में सबसे प्रदूषित शहर है। हालांकि, भारत में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कितना खराब एक्यूआई का स्तर? आमतौर पर प्रदूषण का स्तर एयर क्वालिटी इंडेक्स या एक्यूआई के रूप में मापा जाता है। विदेशी मानकों के अनुसार 200 से अधिक एक्यूआई बहुत खराब स्तर का माना जाता है और 300 का स्तर गंभीर रूप से खराब स्थिति को दर्शाता है। अगर 0-50 के बीच में एक्यूआई का स्तर रहता है तो इसे अच्छा माना जाता है। 51-100 पाया गया तो मध्यम और 101-150 के बीच मिला तो संवेदनशील समूहों के लिए खराब हवा मानी जाती है। वहीं, 151 से 200 अगर एयर क्वालिटी इंडेक्स मिला तो ये खतरनाक होता है। इसके अलावा, 201-300 पाए जाने पर बहुत खतरनाक और अगर प्रदूषण स्तर 301 से अधिक पाया गया तो यह बहुत-बहुत खतरनाक है। भारत के इन शहरों की हवा भी खतरनाक रैंकिंग में 10वें स्थान पर 158 एक्यूआई के साथ मुंबई शहर है। उसके बाद कोलकाता का नंबर आता है, जहां एक्यूआई 136 रिकॉर्ड किया गया।

मैंने एक गारंटी पूरी कर दीः पीएम

● देवघर में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी, झारखंड की पहचान बदलने की हो रही है साजिश

दरभंगा,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू कर उन्होंने अपनी एक 'गारंटी' पूरी कर दी है। श्री मोदी ने बुधवार को यहां शोभन में बिहार के दूसरे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधाराशिला रखने के साथ ही 12 हजार करोड़ रुपये की अलग-अलग योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, "मैंने अपनी एक गारंटी पूरी कर दी है। सत्तर साल से ऊपर के जितने भी बुजुर्ग हों, उनके मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। जल्द ही सभी वृद्धों के पास आयुष्मान वंदन कार्ड होगा। छोटे शहरों में भी इलाज की बेहतरीन सुविधा पहुंचाने के लक्ष्य की ओर हम काम कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कोई परिवार नहीं चाहता कि उसके घर में कोई बीमारी पड़े। शरीर स्वस्थ रहे, इसके लिए योग, आयुर्वेद और पोषक खान-पान का महत्व बताया जा रहा है। फिट इंडिया मूवमेंट चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीमारियों की आम वजह गंदगी, दूषित खानपान और खराब जीवनशैली होती है। इसलिए, स्वच्छ भारत अभियान, हर घर शौचालय और नल से जल जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से शहर तो स्वच्छ बनता ही है, बीमारियां फैलने की गुंजाइश भी कम हो जाती है। उन्होंने बिहार सरकार को दरभंगा में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाए जाने पर आभार जताया और आगे भी इसे जारी रखने की अपील की। श्री मोदी ने कहा कि देश में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को सबसे ज्यादा बीमारियां प्रभावित करती हैं। घर में कोई गंभीर रूप से बीमार पड़ जाए तो पूरा परिवार संकट में आ जाता है। हम इस चिंता को समझते हैं। पहले के दौर में अस्पताल बहुत कम थे, चिकित्सकों की संख्या बहुत कम थी, दवाइयां बहुत महंगी थी, जांच का कोई ठिकाना नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्होंने जननायक कर्पूरी ठाकुर का सपना पूरा किया है। अब कोई भी अपनी मातृभाषा में मेडिकल की पढ़ाई करके डॉक्टर बन सकता है। हिन्दी और दूसरी भारतीय भाषाओं में भी मेडिकल की पढ़ाई का विकल्प दिया जा रहा है। इससे गरीब, आदिवासी और दलित परिवारों के बच्चे भी डॉक्टर बन सकते हैं। प्रधानमंत्री ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य की पूर्व की सरकारें सिर्फ वादों और दावों में उलझी रही थी। बिहार में जब तक श्री नीतीश कुमार सरकार में नहीं आए तब तक गरीबों की चिंता को लेकर कोई गंभीरता नहीं थी। गरीब लोगों के पास चुपचाप बीमारी सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। ऐसी स्थिति में हमारा देश कैसे आगे बढ़ता। इसलिए पुरानी सोच और अप्रोच, दोनों को बदला गया। उन्होंने कहा कि श्री नीतीश कुमार का सुशासन मॉडल अद्भुत है।

तेलंगाना में मालगाड़ी पटरी से उतरी, रेल सेवाएं बाधित

हैदराबाद,(एजेंसी)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में राघवपुरम और रामागुंडम के बीच मंगलवार रात लोहे की कॉइल ले जा रही एक मालगाड़ी की 11 बोगियां पटरी से उतर गई जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। कर्नाटक के बेल्लारी से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जा रही मालगाड़ी के राज्य होकर गुजरने के दौरान यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना के कारण दिल्ली-चेन्नई मुख्य रेलवे लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रुक गया है और दोनों तरफ की ट्रेनों को रोक दिया गया है।

एक्सप्रेस, सुपरफास्ट, यात्री और मालगाड़ियां लाइन के विभिन्न स्थलों पर फंसी हुई हैं। दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही रेलकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बुधवार सुबह तक ट्रेनों की आवाजाही बहाल होने की संभावना नहीं है क्योंकि पटरी से उतर चुके डिब्बों को पटरियों से हटाने में समय लगता है। ट्रेन सेवाओं में व्यवधान के कारण यात्रियों को देरी और अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन के पटरी से उतरने से प्रभावित कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है या उनके मार्ग में परिवर्तन कर दिया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से बात की और यात्रियों की असुविधा में कमी लाने के लिए त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया। रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया है।

'हमने जो कहा, वो किया'

● अघाड़ीवाले झूठे वादे करते हैं, पीएम मोदी द्वारा किए गए वादे पत्थर की लकीर, महाराष्ट्र में बोले अमित शाह

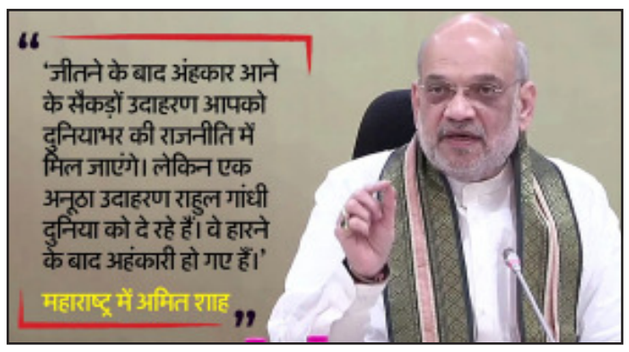

मुम्बई,(एजेंसी)। शाह ने कहा कि इस देश में लोग वक्फ के कानून से परेशान हैं। हालही में कर्नाटक में वक्फ बोर्ड ने निर्णय किया कि गांव के गांव वक्फ की संपत्ति है। 400 साल पुराने मंदिर, किसानों की भूमि व लोगों के घर वक्फ की संपत्ति हो गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के धुले में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। शाह ने दावा किया कि मोदी जी ने देश को समृद्ध और सुरक्षित बनाया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय भारत विश्व अर्थव्यवस्थाओं की सूची में ग्यारहवें स्थान पर था लेकिन मोदी देश को पांचवें स्थान पर ले आये। 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। विपक्ष पर वार करते हुए शाह ने कहा कि आघाड़ीवाले झूठे वादे करते हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी ने कहा कि वही वादे करने चाहिए जो पूरे किए जा सकें। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकारें अपने वादे पूरे नहीं कर सकीं। लेकिन मोदी जी द्वारा किए गए वादे श्पत्थर की लकीरश हैं। हमने घोषणा की थी कि हम राम मंदिर का निर्माण करेंगे और ऐसा किया। न तो राहुल बाबा और न ही सुप्रिया सुले अपने वोट बैंक के कारण राम मंदिर के अभिषेक समारोह में शामिल हुए। 550 वर्षों में पहली बार, राम लला ने अयोध्या में दिवाली मनाई। भाजपा नेता ने कहा कि महायुति का अर्थ है शविकासश और अघाड़ी (महा विकास अघाड़ी) का अर्थ है शविनाशश। आपको तय करना है कि विकास करने वालों को सत्ता में लाना है या विनाश करने वालों को। उन्होंने कहा कि ये अघाड़ी केवल तुष्टिकरण करना चाहती है और उद्धव जी सत्ता के लिए बाला साहब ठाकरे जी के सिद्धांत को भूल कर बैठे हैं। उद्धव बाबू, आप उन लोगों के साथ बैठे हो जिन्होंने... औरंगाबाद का नाम संभाजी नगर करने का विरोध किया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, तीन तलाक हटाने का विरोध किया, अनुच्छेद-370 हटाने का विरोध किया, सर्जिकल स्ट्राइक का विरोध किया, हिंदुओं को आतंकवादी कहने वालों के साथ बैठे हो। शाह ने कहा कि इस देश में लोग वक्फ के कानून से परेशान हैं। हालही में कर्नाटक में वक्फ बोर्ड ने निर्णय किया कि गांव के गांव वक्फ की संपत्ति है। 400 साल पुराने मंदिर, किसानों की भूमि व लोगों के घर वक्फ की संपत्ति हो गए। हम वक्फ कानून में संशोधन का बिल लाए हैं, लेकिन राहुल बाबा और पवार साहब बिल का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी, सुन लो, डंके की चोट पर पीएम मोदी वक्फ कानून में संशोधन करेंगे।

राष्ट्रपति ने सिलवासा में स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के सिलवासा में स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर, झंडा चौक का उद्घाटन किया तथा एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के लोगों ने जिस गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया है, वह हमेशा उनकी यादों में अंकित रहेगा। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उन्हें झंडा चौक स्कूल का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए हैं। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए 2018 में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू किया गया था तथा 2022 में निफ्ट की स्थापना की गई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रयास केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस क्षेत्र में समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत है। इसी वजह से दादरा, नगर हवेली, दमन और दीव अच्छे पर्यटन स्थल हैं। पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर उन्हें खुशी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन के विस्तार से रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से मिलना हमें अधिक उदार और संवेदनशील बनाता है।

पीएम के पैर छूने झुके सीएम नीतीश

● भाजपा मंत्री बोले- प्रधानमंत्री के प्रति आदर-सम्मान है

दरभंगा,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोगों को चौंका दिया। एक बार फिर से वह पीएम मोदी के पैर छूने के लिए झुकते दिखे। यह पहला मौका नहीं है। इसकी तस्वीर खूब वायरल हो रही है। विपक्ष भी सीएम नीतीश कुमार पर तंज कस रहा। पढ़िए पूरी खबर. .. एक बार फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चर्चा में हैं। दरभंगा एम्स के शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने के लिए झुकते दिखे। हालांकि पीएम मोदी ने फौरन उन्हें रोक लिया और गले लगाने की कोशिश कर उनका अभिवादन किया। लेकिन, तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर एक बार प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने के लिए झुकते देखे गए। इतना ही नही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शिलान्यास कार्यक्रम से इतने खुश थे की लगातार कई मिनट तक प्रधानमत्री के तारीफ में कसीदे पढ़ रहे थे। इस दौरान उन्होंने शिलान्यास कार्यक्रम को उद्घाटन बताते हुए सुने गए। विपक्ष बेवजह इस बात को तूल दे रही है इधर, बिहार सरकार ने मंत्री और भाजपा के वरीय नेता नीरज कुमार बबलू ने कहा कि दरभंग एम्स मिथिला के लिए बहुत बड़ा उपलब्धि है। मुख्यमंत्री का प्रधानमंत्री के पैर छूने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पीएम मोदी के प्रति काफी आदर और सम्मान का भाव रखते हैं। मैं उनकी इस बात का आभार व्यक्त करता हूं। विपक्ष बेवजह इस बात को तूल दे रही है। विपक्ष का काम ही केवल मुद्दा बनाना है। राष्ट्रीय जनता दल ने इसे श्शर्मनाकश बताया था इससे पहले लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान सीएम नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने के कथित वायरल वीडियो खूब सियासत हुई थी। इसको लेकर तेजस्वी यादव ने बिहार सीएम पर निशाना साधा था। राष्ट्रीय जनता दल ने इसे श्शर्मनाकश बताया था। पार्टी ने कहा है कि नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता का इस तरह प्रधानमंत्री का पैर छूना सही नहीं।

सोशल मीडिया पर भी राजद समर्थकों ने इस पर नीतीश कुमार को खूब ट्रोल किया गया था। लेकिन इसी के साथ यह चर्चा भी तेज हो गई है कि नीतीश कुमार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पैर छूना गलत क्यों है? भाजपा ने कहा है कि तेजस्वी यादव के पास संस्कार नहीं हैं।

वे न स्वयं किसी का सम्मान करते हैं, न ही कोई उनका सम्मान करता है। यही कारण है कि उन्हें इस संस्कारवान कार्य में भी आपत्ति दिखाई पड़ रही है। जानिए, दोनों नेताओं की उम्र के बारे में पीएम मोदी, सीएम नीतीश की उम्र लगभग समान है।

बंगाल उपचुनाव: टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा की छह सीटों पर बुधवार को उपचुनाव के लिए पहले चार घंटों में 30 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया, जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक ब्लॉक स्तर के नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर 24 परगना जिले के भाटपारा में टीएमसी ब्लॉक स्तर के नेता को तीन अज्ञात बदमाशों ने करीब से गोली मार दी, जब वह सुबह सड़क किनारे एक स्टॉल पर चाय पी रहे थे। हमलावरों ने भागने से पहले बम भी फेंके। पीड़ित अशोक शॉ, वार्ड नंबर 12 के टीएमसी ब्लॉक अध्यक्ष, ने बैरकपुर अस्पताल में दम तोड़ दिया। उनके भाई अशोक शाह ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक अशोक राजोरिया ने कहा कि वह अपराध की जांच कर रहे हैं। अशोक शॉ पर इससे पहले 2023 में भी हमला हुआ था, लेकिन तब वह बच गए थे। टीएमसी समर्थकों ने जगतदल पुलिस स्टेशन का घेराव कर पुलिस पर बैरकपुर क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र, खासकर भाटपारा में अपराध रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया है। यह अपराध नैहाटी विधानसभा क्षेत्र के नजदीक हुआ, जहां उपचुनाव चल रहा था। चुनाव अधिकारियों ने अधिकारियों को क्षेत्र में नजर रखने का निर्देश दिया। सूत्रों ने बताया कि घटनास्थल से एक कंटेनर बम बरामद किया गया, जो विस्फोट नहीं कर पाया। स्थानीय टीएमसी पार्षद सोमनाथ श्याम ने कहा कि पुलिस गोलीबारी और बम फेंकने के अपराध की जांच कर रही है। भारतीय जनता पार्टी के नेता अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि इलाके में टीएमसी के दो गुटों के बीच आपसी झगड़े के कारण अपराध हुआ। चुनाव विभाग के सूत्रों ने बताया कि छह विधानसभा सीटों पर सुबह 11 बजे तक 30 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। मतदान के आंकड़े नैहाटी (25.17 प्रतिशत), मदारीहाट (31.86 प्रतिशत)।

बुलडोजरः सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन जारी

● बिना कानूनी प्रक्रिया तोड़-फोड़ करने वाले होंगे दंडित

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने श्बुल्डोजर न्यायश के खिलाफ बुधवार को सख्त फैसला सुनाया और देशव्यापी दिशा- निर्देश जारी करते हुए कहा बिना उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किये किसी अपराध के दोषी या आरोपी की संपत्ति के साथ तोड़-फोड़ करने वाले अधिकारी दंडित किए जाएंगे। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने आश्रय के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार का एक पहलू बताते हुए कहा कि किसी अपराध के आरोपी या दोषी की रिहायशी या व्यावसायिक संपत्ति को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ध्वस्त नहीं किया जा सकता है। पीठ ने सरकारी अधिकारियों द्वारा इस तरह की मनमानी और अत्याचारपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि अधिकारियों द्वारा श्बुलडोजर कार्रवाईश करना शक्ति के पृथक्करण के मूल सिद्धांत का उल्लंघन होगा, जिसके तहत न्यायपालिका को ऐसे मुद्दों पर निर्णय लेने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति को मनमाने ढंग से नहीं छीना जा सकता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अदालत ने दोषी ठहराए जाने तक आरोपी के निर्दोष होने के अनुमान के सिद्धांतों पर जोर देते हुए कहा कि दोषी को भी मनमाने तरीके से की गई किसी भी कार्रवाई के खिलाफ कानून के तहत संरक्षण दिया गया है। पीठ ने कहा, ष्महिलाओं, बच्चों और वृद्धों को इस तरह बेघर होते देखना सुखद दृश्य नहीं है।ष शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारी न्यायपालिका द्वारा किए जाने वाले कार्यों को अपने हाथों में नहीं ले सकते और नागरिकों के मौलिक और वैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए कार्य नहीं कर सकते। अदालत ने कहा कि यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करना शुरू कर दे तो यह पूरी तरह से असंवैधानिकष होगा। ऐसे मामलों में अनधिकृत निर्माण हो सकते हैं, जिन पर समझौता किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि किसी घर या व्यावसायिक संपत्ति को गिराने से पहले संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उनके पास कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। पीठ ने कहा कि घर का निर्माण परिवार के वर्षों के सपने, आकांक्षाओं और सामूहिक उम्मीद का परिणाम है। नागरिकों की आशंकाओं को दूर करने के लिए न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत निर्देश जारी किए कि पूर्ण न्याय करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने से पहले व्यक्ति को 15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए।

सम्पादकीय

बटेंगे तो कटेंगे नारे का चौतरफा विरोध

किसी भी चुनाव के नजदीक आने पर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की अपनी चिर–परिचित रणनीति एवं परम्परा के अनुपालन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बटेंगे तो कटेंगे का नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले दिनों हरियाणा में हुई एक चुनावी प्रचार रैली में दिया गया था। हरियाणा में भाजपा को मिली सफलता से माना जा रहा था कि महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भी इसका इस्तेमाल होगा लेकिन जिस प्रकार से इस नारे का विरोध भाजपा के सहयोगी दलों ने कर दिया है उससे लगता है कि इस नारे और इस तरह के अन्य नारों से उसे परहेज करना अपरिहार्य हो जायेगा। इन दोनों राज्यों के साथ देश में कई जगहों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं, लेकिन लगता है कि खुद भाजपा ही अब इस बटेंगे तो कटेंगे के नारे को ठंडे बस्ते में डाल देगी। वैसे देश में नफरत भरे नारे देने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बटेंगे तो कटेंगे के प्रति नाराजगी को भांपते हुए नया नारा पेश कर दिया है– एक हैं तो सेफ हैं, जिसे आदित्यनाथ के ही नारे का संशोधित संस्करण कहा जा सकता है। अब देखना यह है कि चाहे श्बटेंगे तो कटेंगेश हो या फिर एक हैं तो सेफ हैं का नारा भाजपा को इन दोनों राज्यों के विधानसभाओं चुनावों के साथ कुछ प्रदेशों में होने जा रहे उपचुनावों में कितना फायदा दिलाते हैं। इनमें योगी का अपना राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है। योगी आदित्यनाथ के नारे का सबसे पहला विरोध महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से दर्ज हुआ है। इस दल के मुखिया अजित पवार ने कहा कि यह नारा श्उप्र या झारखंड में चलता होगा, यहां महाराष्ट्र में नहीं चलेगा क्योंकि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले की धरती है।श उन्होंने साफ किया कि उनका विश्वास श्सबका साथ सबका विकासश में है। उन्होंने इस पर भी रोष जताया कि श्बाहरी लोग आकर ऐसी बातें कह जाते हैं।श उल्लेखनीय है कि भाजपा इस नारे में न केवल भरोसा करती है बल्कि इस सिद्धांत पर चलने का प्रयास भी करती है। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र में वह राजनीति नाकाम हो गयीय और इसका भी श्रेय अजित पवार को ही जाता है। पिछले दिनों जब शिवाजी नगर मानखुर्द से एनसीपी (अजित पवार गुट) की ओर से नवाब मलिक को टिकट दिया गया था तो भाजपा ने इसका तीव्र विरोध किया था। अजित पवार ने एक नहीं सुनी और मलिक को अपना उम्मीदवार बनाये रखा। इतना ही नहीं, उनकी पार्टी ने नवाब की बेटी सना मलिक, हसन मुश्रिफ और कुछ दिन पहले कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों द्वारा मारे गये बाबा सिद्दीकी के बेटे को टिकट दी है। एनसीपी (दोनों गुट) साम्प्रदायिक सौहार्द्र में भरोसा करती है अतरू भाजपा के इस नारे की स्वीकार्यता यहां नहीं हो सकती। ऐसे नारों तथा उन्हें उछालने वालों से अजित पवार इतनी दूरी बनाये रखना चाहते हैं कि उन्होंने यहां तक कह दिया है कि मोदी को उनके क्षेत्र में प्रचार करने के लिये आने की जरूरत नहीं है। बटेंगे तो कटेंगे का विरोध एनडीए में बढ़ता हुआ स्पष्ट दिख रहा है। जो जनता दल (यूनाइटेड) मोदी सरकार को समर्थन दे रहा है और उसके बल पर भाजपा सरकार टिकी हुई है, उसी के विधान परिषद सदस्य गुलाम गौस ने पटना में साफ किया कि ऐसे नारे की जरूरत देश को नहीं है। जिन्हें सम्प्रदाय के नाम पर वोट चाहिये उन्हें इसकी आवश्यकता है। गौस ने तर्क दिया कि जब देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हिन्दू हैं तो हिन्दू कैसे असुरक्षित हो सकते हैं?? राष्ट्रीय लोक दल भी एनडीए का हिस्सा है। उसके अध्यक्ष तथा केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी से जब पत्रकारों ने श्बटेंगे तो कटेंगेश के बाबत सवाल किया तो वे यह कहकर चलते बने कि यह उनकी बात है। जाहिर है कि आरएलडी इस नारे के साथ नहीं है। हालांकि कुछ लोग इस नारे का साथ भी दे रहे हैं। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के संजय निरूपम, जिन्होंने पिछले दिनों कांग्रेस छोड़ी थी, इस नारे को सही ठहराते हुए कहते हैं कि श्अभी अजित पवार को यह बात समझ में नहीं आ रही है। ऐसे ही, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी आदित्यनाथ के नारे को उचित कहा है। वे भी एनडीए सरकार में मंत्री है। इस नारे के पक्ष और विपक्ष में जिस तरह से एनडीए के अलग–अलग सहयोगी खड़े हैं उससे यह तो साफ है कि इसके चलते एनडीए में बड़ी फूट पड़ गयी है। कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता भी इस नारे के प्रति सख्त विरोध जता चुके हैं, जिनमें खुद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शामिल हैं जिन्होंने इस नारे को दुर्भाग्यपूर्ण बतलाया है। अभी फूट के आरम्भिक चिन्ह ही दिखाई दे रहे हैं परन्तु यदि भाजपा इस नारे को आगे बढ़ाती है तो उसे और एनडीए को अनेक समस्याएं झेलनी पड़ेंगी। बिहार में जेडीयू का प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल इसके खिलाफ मैदान में उतर पड़ा है। उसने कई जगहों पर पोस्टर लगाये हैं जिनमें लिखा है–न कटेंगे न बटेंगे, तेजस्वी यादव से जुड़ेंगे।श एनडीए के एक और प्रमुख अंग तेलुगू देसम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की प्रतिक्रिया आई नहीं है, जो मुस्लिमों के हितैषी माने जाते हैं।

अमेरिका की आप्रवासन नीति से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को डरने की जरूरत नहीं, ट्रंप हैं, तो मुमकिन है

❍ ट्रंप की आप्रवासन नीति अंतरराष्ट्रीय छात्रों के मन में शंका पैदा करती है, लेकिन डरने की जरूरत नहीं, क्योंकि ट्रंप हैं, तो कुछ भी संभव है।

पत्रलेखा चटर्जी

क्या व्हाइट हाउस में ट्रंप की वापसी अमेरिका की आप्रवासन नीति को बुरी तरह से प्रभावित करेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या संभावित रूप से प्रभावित होगी? इस सवाल पर न केवल भारत में, बल्कि अन्य देशों में भी चर्चा हो रही है, क्योंकि भारत समेत कई देशों से बड़ी संख्या में छात्र वहां पढ़ने जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में 3.37 लाख भारतीय छात्र हैं, जो कनाडा के बाद भारतीय छात्रों का दूसरा बड़ा गंतव्य है, जहां भारत के 4.27 लाख छात्र हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप जनवरी, 2025 में अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। ट्रंप की दूसरी पारी का अमेरिका और पूरे विश्व पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, और यह अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। लेकिन क्या हमें ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल की पुनरावृत्ति की उम्मीद करनी चाहिए, जिसे विदेशियों के प्रति अत्यधिक संदेहशील माना जाता था? सच कहूं तो, कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता।

जैसा कि आईसीईएफ मॉनिटर (इंटरनेशनल कंसल्टेंट फॉर एजुकेशन एंड फेयर्स) बताता है, श्ट्रंप का पहला कार्यकाल, 2016 से 2020 तक, अमेरिका में विदेशी छात्रों की रुचि में उल्लेखनीय गिरावट आई और छात्र गतिशीलता को प्रभावित करने वाली बेहद प्रतिबंधात्मक नीतियां लागू की गई थीं। इसमें कुख्यात श्यात्रा प्रतिबंध 3.0श शामिल था, जिसने ईरान, लीबिया, सोमालिया, सीरिया, यमन, उत्तर कोरिया और वेनेजुएला के छात्रों के लिए अमेरिका में अध्ययन तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया था, और चीनी छात्रों के लिए वीजा नामंजूर करने में बढ़ोतरी हुई थी। 2018 में एक निजी रात्रिभोज में ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका में पढ़ने वाला चीन का श्लगभग हर छात्रश एक जासूस था। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय नामांकन में 12 फीसदी की गिरावट आई थी और एच–1बी वीजा विस्तार से इन्कार तीन फीसदी से बढ़कर 12 फीसदी हो गया था।श

कुल मिलाकर, ट्रंप के पिछले कार्यकाल में आप्रवासन नीतियों में कई तरह के बदलाव हुए, जिनका असर कुशल पेशेवरों और छात्रों पर पड़ा, खास तौर पर एच–1बी, एफ–1 और एच–4 वीजा रखने वाले लोगों पर। भारत के ज्यादातर कुशल कर्मचारी एच–1बी वीजा पर काम करते हैं। एक साल में एच–1बी वीजा की मानक सीमा 65,000 है, इसके अलावा अमेरिकी संस्थान से मास्टर डिग्री या उससे ज्यादा डिग्री वाले आवेदकों को 20,000 अतिरिक्त वीजा दिए जाते हैं।

एच–1बी के अलावा, वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) नामक 12 महीने के कार्य वीजा का छात्र दावा कर सकते हैं। यह कम से कम लगातार दो सेमेस्टर के लिए पूर्णकालिक रहने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए उपलब्ध है, जो अमेरिका में अपने अध्ययन के क्षेत्रों में रोजगार पाने की योजना बना रहे हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित (एसटीईएम) विषयों से स्नातक करने वाले छात्र अपने ओटीपी के 24 महीने अतिरिक्त विस्तार के पात्र हैं। तो क्या ट्रंप की वापसी से भारतीय छात्रों को चिंतित होना चाहिए? हम फिलहाल नहीं जानते कि ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने पर क्या होगा? डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर प्रवासियों के प्रति नरम रुख अपनाने और कथित तौर पर अवैध आप्रवासन को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

आईसीईएफ का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय छात्र श्निराशश हैं। लेकिन अमेरिका में शिक्षा उद्योग के नेता भी कह रहे हैं कि नई सरकार को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के मूल्य के बारे में अवगत कराने की आवश्यकता है। आईसीईएफ से जुड़े एक विशेषज्ञ ने कहा, श्कांग्रेस और ट्रंप प्रशासन के साथ काम करते हुए हम उन नीतियों की वकालत करेंगे, जो अनुसंधान, कार्यबल विकास, ज्ञान कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमेरिकी भूमिका को मजबूत करती हैं। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है।श

यह केवल विदेशी छात्रों के मामले में अमेरिका के अधिक संरक्षणवादी होने की बात नहीं है। भारत और कनाडा के बीच भू–राजनीतिक तनाव से भारतीय छात्र प्रभावित हैं। और ऑस्ट्रेलिया, जो छात्रों के लिए एक और पसंदीदा गंतव्य है, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन पर सीमा लगा सकता है। यह चुनौती सिर्फ भारतीय छात्रों के लिए नहीं है। अगर कोई विदेश में पढ़ने का इच्छुक है, तो भी बैक–अप प्लान रखना जरूरी है। लेकिन अभी से निराशा में डूबने की जरूरत नहीं है। अगर कभी–कभी उम्मीदें टूट जाती हैं, तो डर भी झूठा साबित होता है। ट्रंप के मामले में आप निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि क्या होगा!

एएमयू का मैसेजः पढ़ोगे तो बढ़ोगे

शकील अख्तर

एएमयू का मुसलमानों के लिए क्या संदेश है? उनसे शिक्षा की बातें दिखावे के लिए की जाती हैं लेकिन वास्तव में उनकी शिक्षा पर टेढ़ी नजर है। हमने जब–जब मुसलमानों की एजुकेशन पर लिखा संघ भाजपा के लोगों ने सबसे ज्यादा उल्लासित होकर प्रतिक्रियाएं दीं। वे बड़े खुश होकर बताते हैं कि हां मुसलमानों में यह कमी है और वह उसे पूरा नहीं करते। लेकिन जहां वास्तव में मुस्लिम शिक्षा दी जा रही है वह हमेशा उनके निशाने पर रहता है।

ताजा उदाहरण अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी (एएमयू) है। सुप्रीम कोर्ट के ताजे फैसले के बाद फिर उस पर सवाल उठाना शुरू कर दिए हैं। सात जजों की बेंच ने बहुत गोलमाल फैसला दिया है। जिसे फैसला कहते हैं न्याय नहीं। तीन जजों की एक बैंच फिर बैठेगी ताकि मामला सुलगता रहे और वह बैंच यह फैसला करेगी कि यह माइनरटी संस्थान है या नहीं। फिलहाल जो चार तीन के बहुमत से फैसला हुआ है वह यह कि पहले 1967 में सुप्रीम कोर्ट ने इसका जो माइनरटी दर्जा खत्म करने का फैसला किया था उसे पलट दिया गया। माइनरटी का दर्जा बरकरार रहेगा। साथ ही एक महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया कि इसे बनाया किसने था। किनके लिए बनाया था। संसाधान किसने जोड़े थे। जाहिर है कि इसके जवाब में एक ही नाम आएगा सर सैयद अहमद खां का। जिनके अनथक प्रयास से मुसलमानों की शिक्षा के लिए यह इदारा (संस्थान) बना। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यहां केवल मुस्लिम स्टूडेंट ही पढ़ते हों। यहां सभी धर्मों के लोग पढ़ते हैं और पढ़ाते हैं। एएमयू में हिन्दू स्टूडेंट के पढ़ने पर राही मासूम रजा का एक बड़ा अच्छा उपन्यास है– टोपी शुक्ला।

यहां से पहले ग्रेजुएट जो पास हुए वे ईश्वरी प्रसाद थे। जिन्होंने बाद में प्रसिद्ध इतिहासकार के रूप में अपना नाम किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे बीजेपी के नेता साहिब सिंह वर्मा, खिलाड़ियों में मेजर ध्यानचंद, लाला अमरनाथ जैसे खिलाड़ी यहां पढ़े। यूनिवर्सिटी ने ध्यनचंद के नाम पर तो एक होस्टल बनाया है जिसमें केवल हॉकी खिलाड़ियों को ही जगह मिलती है। ध्यानचंद के छोटे बेटे वीरेन्द्र सिंह इस होस्टल में रहे हैं। संगीतकार रवीन्द्र जैन भी वहीं पढ़े हैं। और भी बहुत नाम हैं। विश्वविद्यालय में 30 प्रतिशत से ऊपर हिन्दू छात्र–छात्राएं हैं और मेडिकल लॉ में यह संख्या 40 प्रतिशत है। विदेशी स्टूडेंट भी बहुत पढ़ते है। तीन बार तो यहां महात्मा गांधी आए हैं। बताइए ऐसी और कौन सी यूनिवर्सिटी है जहां गांधी जी इतनी बार गए हों। लेकिन हिन्दू–मुसलमान की राजनीति करने वाले एएमयू और जामिया मिलिया इस्लामिया को हमेशा टारगेट करते रहते हैं। जामिया के आईएएस कोचिंग सेन्टर में बड़ी तादाद में हिन्दू लड़के –लड़कियां तैयारी करते हैं और सिविल सर्विसेस में आते हैं। मगर हिन्दू–मुसलमान के चश्मे से देखने वाले सिर्फ वहां से निकले मुसलमान लड़के–लड़कियों की लिस्ट ही जारी करके इसे आईएएस जेहाद कहते हैं। मुसलमानों को यही समझने की जरूरत है। कि पढ़ाई पर उन्हें नसीहतें भी दी जाएंगी और पढ़ने पर उलाहने भी। मतलब। उनका पढ़ना बर्दाश्त नहीं है। नसीहतें छोटा दिखाने के लिए दी जाती हैं। लेकिन पढ़ जाओ तो बड़ी तकलीफ होती है। समझना यही है। पढ़ाई से तकलीफ किसे है? उन्हें जो अब खुलकर बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं सेफ जैसे हिंसक शब्दावली के नारे देने लगे हैं। बीजेपी की सारी राजनीति अब केवल ध्रुवीकरण पर केन्द्रित हो गई है। अभी लोकसभा में उन्हें तगड़ा झटका लगा है। देश में केवल 240 सीटें आईं। जो बहुमत की संख्या 268 से 28 कम हैं। और यह पूरी 28 सीटें बीजेपी की यूपी से कम हुई हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को यूपी से 61 सीटें मिली थीं। इस बार केवल 33 रह गईं। जो झटका लगा वह मूल रूप से यूपी से था। यहां का दलित पिछड़ा वर्ग बीजेपी से छिटक गया। विपक्ष के साथ चला गया। उसी को वापस लाने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने यह नारा दिया है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह आज तक का सबसे हिसंक, भड़काऊ नारा है–बटेंगे तो कटेंगे। दलित पिछड़े वर्ग से कहा गया है कि अगर हमसे अलग हुए तो यह हो जाएगा! मतलब देश में सरकार, पुलिस सुरक्षा व्यवस्था, कानून कुछ नहीं है। दस साल से सरकार हमारी है। केन्द्र में और सात साल से यूपी में मगर कटोगे! क्या दलित पिछड़े वापस उनके साथ–साथ जाएंगे जो डरा कर उनसे वोट चाह रहे हैं? या उनके साथ जाएंगे जो कह रहें हैं जुड़ेंगे तो जीतेंगे, डरो मत! डरा आप किससे रहे हो? सबको मालूम है। बेटियों तक के लिए कह दिया कि ले जाएंगे। जैसे मंगलसूत्र और भैंस के लिए कहा था। बेटियों को वस्तु पशु बना दिया। काल्पनिक डर। ध्रुवीकरण के लिए। डरो और वोट दो। यह इन्सान को सबसे निचले दर्जे पर रखना है। रोजगार नहीं, महंगाई को खुली छूट, सरकारी इलाज, सरकारी शिक्षा सब खत्म। केवल डर दिखाना। कि हमसे ही तुम बचे हुए हो। नहीं तो? उसके लिए जो शब्द दिया गया है, जिसे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सबसे निकृष्टतम कहा है कि– कटोगे!

कोई नहीं डरने वाला ऐसे झूठे डराने वालों से। हां देश जरूर कमजोर होगा। एक डरा हुआ देश बनाने की कोशिश से। डरा हुआ देश कैसे विश्व गुरु बन सकता है। यह उन्हें बताना चाहिए। कैसे आगे बढ़ सकता है? तरक्की कर सकता है? या वे चाहते ही नहीं हैं? तरक्की और दुनिया में सम्मानजनक स्थान? इसलिए एक डरा हुआ समाज, डरा हुआ देश बना रहे हैं। पता नहीं! क्या चाहते हैं? वोट वोट वोट! सत्ता सत्ता केवल सत्ता! सोचना लोगों को है। और देश के बहुसंख्यकों को। यह बात हम देश के अल्पसंख्यकों को समझाने की हमेशा कोशिश करते हैं कि आपके जिताए कोई नहीं जीत रहा। न आपके हराए। इन सब के ज्यादा चक्कर में मत पड़िए। देश के बहुसंख्यकों ने ही नरेन्द्र मोदी को 240 पर रोका और योगी आदित्यनाथ को 80 में से केवल 33 दीं। मुसलमान को इस समय केवल एक मुद्दे पर पूरा ध्यान देने की जरूरत है और वह है एजुकेशन। मार्डन एजुकेशन। शुरू हमने एएमयू से किया है और एएमयू बनाने वाले सर सैयद ने यह शिक्षा संस्थान मार्डन एजुकेशन के लिए बनाया है। हमने जो बात शुरू में लिखी कि आपकी तालीम की कमी पर वे हमला करेंगे। उपदेश भी देंगे। मगर पढ़ने भी नहीं देंगे। रिएक्शनरी फोर्सेस सबसे ज्यादा शिक्षा से घबराती हैं। दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की शिक्षा ने ही उन्हें आगे बढ़ाया है और उनका आगे बढ़ना यथास्थितिवादियों के लिए सबसे ज्यादा तकलीफ की बात है। क्योंकि पढ़ने आगे बढ़ने के साथ ही वे सामाजिक न्याय की बात करते है और सामाजिक न्याय देना प्रतिगामियों को बिल्कुल मंजूर नहीं है। इसलिए वे दलित, पिछड़ों, आदिवासियों का ध्यान, पढ़ाई, नौकरी, सामाजिक न्याय से हटाने के लिए उनके मन में मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरते हैं। उनका असली निशाना मुसलमान नहीं है। मुसलमान के नाम का तो वे डर पैदा करते हैं। ताकि दलित पिछड़ा आदिवासी उनको वोट देता रहे और यथास्थिति में ही रहे। सामाजिक समानता की बात नहीं करे। समरस रहे। समरसता भी संघ का गढ़ा शब्द है। समानता को कमजोर करने के लिए। रामदास अठावले बीजेपी के साथ केन्द्र में मंत्री हैं। मगर मायावती जैसे डरे हुए नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा कि समरसता दलित के लिए घातक है। इसका मतलब है जैसे ऊपर से रखा जाए वैसे ही रहो। यह समानता जिसका उपयोग डॉ. आम्बेडकर करते थे उसे कमजोर करने के लिए है।तो बीजेपी कई तरह की राजनीति करने की कोशिश कर रही है। मगर उद्देश्य एक ही है। वोट, वोट, वोट! और इसी के लिए वह दलित, पिछड़ा, आदिवासी को डरा रही है।

भारत में विकास का अध्याय आगे बढ़ता जाएगा

हाल में लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी और सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। इसी तरह हाल में वर्ल्ड बैंक द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर, 2024 में कहा गया है कि चूंकि चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घट कर 4.0 फीसद होगी जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसद से अधिक रहेगी। वस्तुतरू भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया चूंकि संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नये अवसरों का आधार है। गौरतलब है कि विगत 4 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस–यूक्रेन और इस्त्रइल–ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडॉप्शन के मामले में पहले क्रम पर है। इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है। स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है, और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और मूडीज्यज जैसी चूंकि एजेंसियां भी चूंकि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत को दुनिया की सबसे विसनीय और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ–साथ निवेश के पसंदीदा देश के रूप में देख रही हैं। यद्यपि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस–यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण चूंकि अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में चूंकि विश्वास और तेज विकास के मद्देनजर देसी उद्यमियों के साथ चूंकि उद्यमियों के लिए भी बढ़ते अवसरों का परिदृश्य उभर कर दिखाई दे रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल में दुनिया की ख्याति प्राप्त वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि सितम्बर, 2024 के दौरान भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए खुद को निवेश की पसंदीदा जगह बना लिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी नई रिपोर्ट–2024 में कहा है कि भारत आर्थिक विकास, विदेशी निवेश और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश है। अमेरिका चेंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में अमेरिका की कंपनियों की चूंकि निवेश पसंदगी में भारत का दूसरा स्थान है। इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। इतना ही नहीं, अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में इस समय चीन में कार्यरत 12 लाख करोड़ रु पये निवेश वाली 50 अमेरिकी कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों में से 15 कंपनियां भारत में निवेश की तैयारी कर रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विगत 23 सितम्बर को प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के बहुआयामी क्षेत्रों में दुनिया के लिए अपार आर्थिक मौके हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अब भारत को आर्थिक दुनिया के उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा है, जो भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को दर्शाता है। चूंकि राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत भारत की आर्थिक स्थिति से भी मिल रही है। अमेरिका और रूस, दोनों महाशक्तियों के साथ भारत की मित्रता के नये अध्याय दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा एवं भारतीय बाजार में मौके बढ़ा रहे हैं। निस्संदेह भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, कृषि विकास और बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था देश–दुनिया के कारोबारियों और निवेशकों के लिए मौकों का नया द्वार खोल रहे हैं। देश में खाद्यान्न उत्पादन ऊंचाई बना रहा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक अब देश की खाद्य सुरक्षा के साथ–साथ चूंकि खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अब भारत दुनिया के खाद्य कटोरे के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों को खाद्य पदाथरे के निर्यातक देश के रूप में दुनिया में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया का आठवां बड़ा कृषि निर्यातक देश बन गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय शेयर बाजार ऊंचाई पर है, और दुनिया के लिए भारतीय शेयर बाजार में मौके बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 की शुरुआत से भारत में आईपीओ का बाजार गुलजार है। भारत में म्युचुअल फंड (एमएफ) में निवेश छलांगें लगा कर बढ़ रहे हैं। अगस्त, 2024 तक डीमैट खातों की संख्या 17.10 करोड़ के पार हो गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि विदेश व्यापार में भारत की नई संभावनाएं दुनिया के लिए नये मौके के रूप में हैं। श्चीन प्लस वन्य रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम और भरोसेमंद देश के रूप में चूंकि आपूर्ति श्रृंखला में नई भूमिका निभा रहा है। हम उम्मीद करें कि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस–यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण चूंकि अर्थव्यवस्था में गिरावट के दौर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी बहुआयामी विशेषताओं के कारण मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। साथ ही, आर्थिक विकास के रणनीतिक प्रयासों से भारत में विकास का अध्याय आगे बढ़ता जाएगा। साथ ही, रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। इससे देश 2027 में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 में विकसित भारत बनने की डगर पर आगे बढ़ेगा।

बेकाबू ट्रक ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, पुलिसकर्मी की मौत, आरोपी चालक हिरासत में

वाराणसी। मऊ शहर कोतवाली क्षेत्र के बलिया मोड़ पर सोमवार की देर रात एक बेकाबू ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे आरोपी ट्रक चालक को पुलिसकर्मियों ने पीछा कर पकड़ लिया। सूचना मिलने पर रात में पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

यह है पूरा मामला : जानकारी के अनुसार अवनीश सिंह शहर कोतवाली में आरक्षी के पद पर तैनात थे। वह सोमवार को सीओ सिटी को उनके आवास पर छोड़कर वापस अपने घर बाइक से लौट रहे थे। अभी वह 500 मीटर दूर बलिया मोड़ पहुंचे थे कि गोरखपुर की तरफ से आ रहे बेकाबू ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से अवनीश घायल हो गए। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घायल आरक्षी को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत से पुलिसकर्मियों में मातम पसर गया। घटना को लेकर एसओ अनिल सिंह ने बताया कि घटना के आरोपी ट्रक चालक को पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया है।

कामगारों को पॉलिटेक्निक में मिलेगा सीधा प्रवेश

चंदौली। आईटीआई पास कर सरकारी और गैर सरकारी कंपनियों में काम करने वालों को दक्ष बनाने के लिए पॉलिटेक्निक संस्थानों में सीधा प्रवेश दिया जाएगा। अगले शैक्षिक सत्र से यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग ने सर्कुलर जारी कर दिया है। जिले में हर साल हजारों युवा आईटीआई कोर्स करने के बाद सरकारी या गैर सरकारी कंपनियों में नौकरी करने लगते हैं। ऐसे कामगारों की दक्षता बढ़ाने के लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग ने पहल की है। इन्हें तीन वर्षीय डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग में मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। शैक्षिक सत्र 2025–26 से सभी पॉलिटेक्निक संस्थानों यह व्यवस्था लागू की जाएगी। प्राविधिक शिक्षा परिषद की ओर से ऑनलाइन आवेदन पत्र लिए जाएंगे। जून में प्रवेश समिति का गठन किया जाएगा, जो आवेदन पत्रों का परीक्षण कर मेरिट लिस्ट जारी कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करेगी।

सारनाथ में जलेंगे तीन हजार दीपक, भगवान बुद्ध का अस्थि अवशेष कलश दर्शन के लिए रखा जाएगा

वाराणसी। बुद्ध की उपदेश स्थली स्थित मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर परिसर में भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष कलश को 13 से 15 नवंबर तक दर्शन के लिए रखा जाएगा। यह जानकारी महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव भिक्षु आर सुमितानंद थेरो ने बताया कि 15 नवंबर धम्म सभा होगी जिसमें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या शामिल होंगे। बताया कि तथागत के अस्थि अवशेष के दर्शन 13 से 15 नवंबर तक सुबह छह बजे से 11 बजे तक बौद्ध अनुयायी करेंगे। 13 व 14 नवंबर को कठिन चीवर पूजा एवं महापरित्राण देशना व कठिन महासंघदान कार्यक्रम होगा। 15 नवंबर को दोपहर एक बजे तथागत के अस्थि अवशेष कलश की शोभायात्रा निकाली जाएगी। 12 नवंबर को महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन की ओर से 11वें इंटरनेशनल पालि बुद्धिस्ट कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा और महाबोधि विद्यालय समूह का 91वां वार्षिकोत्सव 16 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दौरान तीन दिन तक मंदिर परिसर को तीन हजार दीपों से प्रज्ज्वलित किया जाएगा।

बोलेरो के धक्के से वृद्धा की मौत, दो घायल

मऊ। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के बदलापुर–शाहगंज मार्ग के उदपुरगेल्हवा दाउदपुर गांव में सोमवार की शाम तेज रफ्तार बोलेरो वाहन की चपेट में आकर जहां एक वृद्धा की मौत हो गई वहीं बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। थोड़ा आगे बढ़ते ही बोलेरो बीच सड़क पर पलट गई। बोलेरो सवार सभी लोग घायल हो गए। सड़क पर बोलेरो पलटने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। शाहगंज की तरफ से एक बोलेरो तेज रफ्तार से बदलापुर की तरफ जा रही थी। सड़क किनारे अपने घर के सामने खड़ी जगन्नाथ तिवारी की 70 वर्षीय पत्नी रेशमा को धक्का मारते ही वह अनियंत्रित हो गई। सामने बदलापुर की तरफ से आ रहे बाइक सवार 35 वर्षीय महेश शुक्ल व 35 वर्षीय रत्नेश शुक्ल निवासी डढ़िया को धक्का मारते हुए पलट गई।

साढ़े छह करोड़ से 37 सड़कों की होगी विशेष मरम्मत

पीडीडीयू नगर। क्षतिग्रस्त हो चुकीं 37 सड़कों की मरम्मत के लिए 15 दिन पहले भेजी गई पीडब्ल्यूडी की कार्ययोजना को शासन ने मंजूरी दे दी है। इसके लिए बजट भी जारी कर दिया गया है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का कहना है कि इसी महीने टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर मरम्मत का काम शुरू करा दिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी की ओर से जिले की चारों विधानसभा की 166 सड़कों को विशेष मरम्मत की योजना में शामिल कर शासन के पास योजना प्रेषित की गई थी। योजना में मुगलसराय विधानसभा की 28, सकलडीहा की 26, सैयदराजा की 30 और चकिया विधानसभा की 82 सड़कों को शामिल किया गया है। योजना के तहत चयनित सड़कों में 37 सड़कों को शासन की मंजूरी मिल गई है। अब इन सड़कों पर विशेष मरम्मत कार्य किया जाएगा। सड़कें नए सिरे से बनाई जाएंगी।

ट्रक से 15 प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त कराया

नियामताबाद। अलीनगर पुलिस ने रविवार की शाम सिंघी ताली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के ओवरब्रिज पर एक ट्रक से 15 मवेशियों को बरामद किया। इस दौरान तस्करी के आरोप में तीन को भी गिरफ्तार किया। तस्करों के पास से पुलिस ने चार हजार रुपये नकद और दो स्मार्टफोन भी बरामद किया। अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि रविवार की शाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिंघीताली के समीप ओवरब्रिज पर वाहनों की जांच पड़ताल की जा रही थी। इसी बीच बिहार की ओर जा रहे एक ट्रक को रोका। इस पर वाहन का चालक वाहन को खड़ाकर मौके से भागने लगा। इस पर पुलिस ने चालक को पकड़ लिया। वही ट्रक में बैठे दो अन्य लोगों को भी पकड़ लिया गया। ट्रक की जांच की गई तो उस पर 15 प्रतिबंधित पशु मिले। पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने अपना नाम अरदीप सिंह निवासी हाउस नं. 2830 ताजपुर रोड जगदीशपुर, जिला लुधियाना पंजाब, कवलजीत सिंह निवासी मातारानी मोहल्ला, जिला समरूर पंजाब और संजय कुमार निवासी भटौली थाना जगदीशपुर जिला भोजपुर बिहार बताया। तीनों के पास से दो स्मार्टफोन और चार हजार रुपए नगद भी बरामद हुए। पुलिस आरोपियों और ट्रक को मय मवेशी थाने ले आई।

फंदे से लटकता मिला व्यक्ति का शव

पीडीडीयू नगर। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के चतुर्भुजपुर में सोमवार को सुबह कमरे में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटकता मिला। परिवार वालों के अनुसार उसने माइक्रो फाइनेंस कंपनी से कर्ज लिया था। किश्त न भर पाने के कारण वह परेशान था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पद्मकांत खरवार उर्फ घंटु (48) अपनी पत्नी साधना के साथ पीडीडीयू नगर के चतुर्भुजपुर मुहल्ला में एक किराए के मकान में रहता था। वह मजदूरी करता था। उसके दो बेटे व एक बेटी हैं। रोजाना की तरह पद्मकांत और उसके परिवार के लोग रविवार की रात में अपने कमरे में सो गए। सोमवार की सुबह पद्मकांत की पत्नी साधना उठी तो पति कमरे में नहीं था। जब वह घर से बाहर निकली तो देखा कि सीढ़ी के ऊपर पड़ी एशबेस्टस की छत में लगे पाइप के सहारे पति का शव लटका है। यह देख उसके होश उड़ गए। उसकी चीख पुकार सुनकर आस पास के लोग एकत्र हो गए। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और शव को नीचे उतारा। पद्मकांत की पत्नी साधना ने बताया कि क्षेत्र के ही कुछ लोगों की मदद से माइक्रो फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। बताया कि लोन मिलने के बाद बिचौलियों ने सारी रकम अपने पास रख ली थी। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने से लोन की किश्त नहीं भर पा रहे थे, जिससे वह परेशान थे। वहीं फाइनेंस कर्मी किश्त भरने के लिए दबाव बना रहे थे। इसी वजह से पति ने आत्महत्या की है। इस संबंध में मुगलसराय कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, मामले की जांच की जा रही है।

मुंशीपुरा ओवरब्रिज ज्वाइंटर के गड्ढों को भरने का काम शुरू

मऊ। लखनऊ से बलिया मार्ग पर मुंशीपुरा ओवरब्रिज पर ज्वाइंटर के गड्ढों को सोमवार को लोक निर्माण विभाग ने भरना शुरू कर दिया। बीते दिनों आजमगढ़ तिराहा के पास से मतलुपूर तक राज्य राजमार्ग 34 पर होने अनेक स्थानों छूटे पीचिंग कार्य कराया गया था। पीचिंग का काम होने के दौरान लोक निर्माण विभाग ने मुंशीपुरा ओवरब्रिज पर भी पीचिंग का का काम किया गया था। 19 ज्वाइंटर पर गड्ढ़े हो गए। ज्वाइंटर पर गड्ढ़े होने से वाहनों को गुजरने में परेशानी हो रही थी। लोगों को हो रही समस्या को देखते हुए अमर उजाला ने बृहस्पतिवार को ज्वाइंटर के गैप से छोटे पहिया के वाहन चालकों को परेशानी नामक शीर्षक से खबर का प्रकाशन किया था। खबर के प्रकाशन के बाद विभाग ने सोमवार को ज्वाइंटर के गैप को भरने का काम किया। एक पखवाड़े पूर्व ओवरब्रिज पर पिच की सड़क पर कंक्रीट पिच की मोटी एक लेयर चढ़ा दी गई थी। उसके बाद ज्वाइंटर के कुल 19 गड्ढ़े बन गए थे। सबसे ज्यादा परेशानी ई रिक्शा चालकों को हो रही थी। सोमवार को इस ओवरब्रिज पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया जो आने–जाने वाले राहगीरों के लिए एक सुकून भरी खबर रही।

12 लाख की चोरी मामले की जांच में दोबारा जांच का आदेश

मऊ। खुटहन थाना क्षेत्र के बड़नपुर गांव निवासी मनोज कुमार सिंह के घर में 27 मार्च 2020 की रात चोरों ने खिड़की तोड़कर करीब 12 लाख रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पूर्व क्षेत्राधिकारी शुभम तोंदी द्वारा जांच में पूर्व एसआई रणजीत उपाध्याय के साक्ष्य छिपाने की पुष्टि हुई थी। यही नहीं साथ ही फॉरेंसिक टीम ने संदिग्धों के फिंगर के नमूने लिए थे, जिसका केस डायरी में भी जिक्र नहीं है। इस मामले में कप्तान ने क्षेत्राधिकारी को पुनरू जांच का आदेश दिया है। उक्त प्रकरण में पीड़ित ने एसपी डा.अजय पाल शर्मा से मिलकर न्याय की गुहार लगाते हुए एसआई और चोरी के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले के संबंध में एसपी ने सीओ शाहगंज अजीत सिंह चौहान को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सड़क हादसों में तीन की मौत, आठ घायल

मऊ। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सोमवार को हुए अलग–अलग सड़क हादसों में तीन की मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया। मछलीशहर रू कोतवाली क्षेत्र में परशूपुर गांव निवासी अनीता देवी (28) पत्नी संतोष गुप्ता रविवार देर शाम नगर से घर का सामान खरीदरकर ऑटो से घर वापस जा रही थी। लौटते समय अंधेरा हो गया था। जौनपुर–रायबरेली हाइवे पर जहांसापुर गांव के निकट किसी अज्ञात वाहन ने टेंपो को टक्कर मार दी। इससे टेंपो पलट गया और अनीता देवी व चालक सुनील कुमार (55) निवासी टेकारी, सिकरारा घायल हो गए। दोनों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान अनीता की रात में मौत हो गई। अनीता के पति संतोष की तहरीर पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एक अन्य घटना में कोतवाली थाना क्षेत्र के पराहित गांव निवासी हरिशचंद्र उर्फ मजनू व गांव के ही अनिल कुमार (35) बाइक से रविवार देर रात मछलीशहर आ रहे थे। मतरी गांव के पास सामने से चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना में हरिशचंद्र घायल हो गए। उनको जिला अस्पताल रेफर किया गया किंतु अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में मौत हो गई। एक अन्य दुर्घटना में श्रवण कुमार (25) निवासी औरास, उन्नाव कार से जौनपुर जा रहे थे। उनकी कार को मरी माई पुल के पास ट्रेलर ने टक्कर मार दी। उनका भी इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मुंगराबादशाहपुर रू पवांरा थाना क्षेत्र के दखिनिया गांव निवासी प्रदीप तिवारी (22) अपने पड़ोसी ओम प्रकाश तिवारी (30) दोनों एक ही बाइक से घर दखिनिया जा रहे थे। रायपुर उकनी के पास राघव महाविद्यालय के सामने कार से आमने–सामने टक्कर हो गई। इससे दोनों घायल हो गए। जिला अस्पताल में प्रदीप तिवारी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया वहीं ओम प्रकाश का इलाज चल रहा है।

जलालपुर : थाना क्षेत्र के मनहन निवासी बजरंगी यादव (58) पत्नी उर्मिला को बाइक से लेकर त्रिलोचन महादेव मंदिर पर दर्शन पूजन कर लौट रहे थे। सीएचसी रेहटी के सामने पीछे से आ रही डीसीएम एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रहा था जिससे बाइक की टक्कर हो गई। पत्नी दाहिनी तरफ टायर के नीचे चली गई इससे उनकी मौके पर मौके पर मौत हो गई। जबकि पति बजरंगी घायल हो गए।

धर्मापुर रू बक्शा थाना क्षेत्र के कल्लू चौहान दो अन्य लोगों के साथ रविवार को चार पहिया वाहन से आजमगढ़ में रिश्तेदार के यहां से जौनपुर लौट रहे थे। गौराबादशाहपुर बाईपास पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गए। इससे काली प्रसाद(30), कल्लू चौहान (28) व चालक लालू यादव घायल हो गए। थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर राजाराम द्विवेदी ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजवाया गया, वाहन को भी जेसीबी से निकलवाया गया।

1100 लोगों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली

मऊ। शांतिकुंज हरिद्वार के कथावाचक पं. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि कर्मों का फल भगवान नहीं बल्कि कर्म ही कर्म का फल देता है। कर्म ही बंधन और मोक्ष का कारण है। विचार ही कर्म को जन्म देता है। इसका फल जन्म–जन्मांतर तक मिलता है। श्री शर्मा गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन सोमवार की शाम प्रवचन कर रहे थे। इस दौरान यज्ञशाला में आहुतियां समर्पित करने के अलावा 1100 लोगों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली। इसी क्रम में 25 नामकरण, 200 विद्यारंभ, 20 अन्नप्राशन व दो पुंसवन संस्कार संपन्न कराया गया। युग गायक रामवीर नेगी ने अपने सहयोगी दिलधीर यादव, विवेक प्रताप सिंह के साथ ज्ञान गंगा नहा ले मन मेरे प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डा. संजय सिंह, मानसिंह वर्मा, प्रमोद राय, डा. रामसुख यादव आदि मौजूद थे। शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में जीवन राम छात्रावास के मैदान में आयोजित 108 कुण्डीय राष्ट्र जागरण अभियान गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन सोमवार को श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। यज्ञाचार्य पं. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि गायत्री सब मंत्रों तथा सभी व विद्याओं में शिरोमणि है। यह कामधेनु के समान मनोकामना को पूर्ण करती है। इस धार्मिक अनुष्ठान से समूचा वातावरण वेद मंत्रों व भजनों से गूंज उठा है। दिव्य औषधियुक्त हवन सामग्री से चारों तरफ सुगंध फैल गई है। गायत्री परिवार की ओर से माता भगवती भोजनालय में निरूशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई थी। लोग वेद मूर्ति पं.श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखे गए साहित्य में भी रुचि दिखा रहे थे।

फर्जी वसीयत से जमीन हड़पने पर 11के खिलाफ केस

मऊ। जफराबाद की एक वृद्ध महिला ने अपने चचेरे भाई व 11 लोगो पर फर्जी वसीयत बना कर पिता की जमीन हड़पने का आरोप लगते हुए केराकत कोतवाली में कोर्ट के आदेश से मुकदमा दर्ज कराया है। 65 वर्षीय लालमनी देवी का समैसा जफराबाद में ससुराल है जबकि मायका चंदवक के मढ़ी गांव में है। लालमनी का आरोप है कि उसके पिता की मृत्यु के बाद उनकी पूरी जमीन को उसने और उसकी बहन बेचना देवी ने सोहनी थानागद्दी निवासी प्रेमा सिंह को बेच दिया था। लेकिन जमीन पर पहले से ही चचेरे भाई दल शृंगार व अन्य की नजर थी।

देव दीपावली समिति जलाएगी 21 लाख दीपक,200 स्थानों पर होगा आयोजन

वाराणसी (यूएनएस)। वाराणसी में देव दीपावली समिति 200 स्थानों पर 21 लाख दीप जलाने की तैयारी में जुट गया हैं। इसको लेकर समिति के लोगों ने एक बैठक आयोजित की और उसमें विभिन्न प्रकार के निर्णय लिए गए। बैठक में पहुंचे पर्यटन उपनिदेशक आर के रावत ने कहा कि काशी में वैश्विक आकर्षण के इस कार्यक्रम को आप सबने जिस परिश्रम के साथ बढ़ाया है। जिसके लिए आप सभी धन्यवाद के पात्र है, हमने सभी की समस्याओं को लिखा है और अतिशीघ्र उससे सम्बन्धित विभागों से बातकर समाधान करने का प्रयास रहेगा। बैठक में महासमिति के उपाध्यक्ष गंगाधर उपाध्याय ने कहा कि जाति पंथ अनेक हम सब सनातनी एक के शीर्षक को इस बार की देव दीपावली को समर्पित करने का प्रस्ताव पेश किया जिसको हर हर महादेव के उघ्द्घोष से सबने अनुमोदित किया। केन्द्रीय देव दीपावली महोत्सव महासमिति पिछले कई वर्षों से प्रशासन के साथ बैठकों में मांग उठाती रही है कि घाटों की आयोजन उपसमितियों को पहचान पत्र जारी करने का अधिकार दिया जाए। वागीशदत्त मिश्र ने कहा कि प्रशासन या पर्यटन विभाग चाहे तो संख्या तय कर दे लेकिन सदस्यों को पहचान पत्र तो मिलना ही चाहिए। आरपी घाट के आयोजक विजयशंकर भारद्वाज समेत कई सदस्यों ने कहा कि समितियों के सदस्य पुलिस के सहयोगी ही बनेंगे क्योंकि सभी उत्सव को भव्यतम बनाने के लिए लालायित रहते हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट पर देव दीपावली का आयोजन करने वाली उप समिति के विजय शंकर भारद्वाज ने कहा कि सबसे अधिक भीड़ दशाश्वमेध घाट पर होती है। सामान्य से विशिष्ट जन तक का फोकस यहीं होता है। मगर प्रशासन का रवैया तानाशाह जैसा होता है। तीन बजे से ही पुलिस रास्ता बंद कर देती है। समिति के लोग घाट तक आ नहीं पाते हैं। उन्होंने कहा कि तेल की मात्रा बढ़ाई जाए ताकि हम उस पार भी दीपक रोशन कर सकें। लाइटिंग की व्यवस्था भी होनी चाहिए ताकि लोगों को दिक्कत न हो। केंद्रीय देव दीपावली महासमिति ने काशी के सर्व समाज को इस आयोजन से जोड़ा है। अध्यक्ष आचार्य वागीशदत्त मिश्र कहते हैं कि देवदीपावली भगवान शंकर से जुड़ा त्रिपुरोत्सव है। भगवान बुद्ध का संबंध देवदीपावली से है। सारनाथ में उस दिन दर्शन का कार्यक्रम होता है। उसी दिन गुरु नानकदेव का प्रकाशपर्व मनाया जाता है। हमने बौद्धों, सिखों, कबीरपंथियों, रविदासियों को जोड़ कर इसे सनातन का महाउत्सव बनाने का प्रयास किया है। देवदीपावली के निमित्त हमारा सूत्र वाक्य है–'जाति पंथे अनेक हम सनातनी एक। अस्सी घाट स्थित गंगा सेवा समिति के श्रवण मिश्रा ने कहा कि गंगा महोत्सव से पहले गंगा पूजन का विधान है हम चाहते हैं कि घाट के ही तीर्थ पुरोहित गंगा पूजन करें। देव दीपावली के दिन अस्सी घाट पर सबसे ज्यादा भीड़ होती है अस्सी पर ही गंगा महोत्सव का मंच बना हुआ है। कार्यक्रम खत्म होते ही पूरा मंच हटा दिया जाए जिससे आने वाले पर्यटकों और दीप जलने वालों को कोई दिक्कत ना हो।

बीएचयू गेट पर सपा का प्रदर्शन,आईआईटी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए मार्च

वाराणसी (यूएनएस)। बीएचयू सिंहद्वार पर समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने आईआईटी बीएचयू गैंगरेप मामले में अपना विरोध दर्ज कराया हैं। यहां पहुंचे सपा लोहिया वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि अभी भी पीड़िता को न्याय नहीं मिला है, घटना से जुड़े आरोपी बाहर घूम रहे हैं। वाराणसी में उत्तर प्रदेश की राजनीति में पोस्टर–वार की एक नई घटना देखी जा रही है। समाजवादी पार्टी ने बैनर लेकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वार पर प्रदर्शन किया, जिसमें बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप के मामले में भाजपा आईटी सेल से संबंधित आरोपियों की ओर इशारा करते हुए तंज किया गया और एक पोस्टर में लिखा, ष्यहां न दिखें भाजपाई... छात्राएं हैं घबराई! यह पोस्टर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान जहां दिखे सपाई वहां बिटिया घबराई पर पलटवार के रूप में देखा जा रहा है। समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के महानगर अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान की कड़ी निंदा की और कहा कि बाबा को इस तरह के बयान देने से पहले अपनी आंखों की जांच करा लेनी चाहिए। संदीप ने कहा गैंगरेप करने के बाद बीजेपी आईटी सेल के पदाधिकारियों को मध्य प्रदेश में बीजेपी का प्रचार करने के लिए भेज दिया गया था और वहां ये 'मोदी की गारंटी' को घर–घर बांट रहे थे। इस पूरे मामले में समाजवादी पार्टी ने भाजपा पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर हमला बोला है। सपा नेता पूजा यादव ने कहा कि सब जानते हैं कि गैंगरेप करने वाले बीजेपी आईटी सेल के ये पदाधिकारी अपनी पार्टी में बड़ा कद रखते हैं। इनकी तस्वीरें मोदी–योगी, जेपी नड्डा, स्मृति ईरानी और बीजेपी के बड़े नेताओं के साथ मौजूद हैं। ये पूरी घटना नरेंद्र मोदी और बीजेपी के कथित महिला सुरक्षा के ढोंग का पर्दाफाश करती है।

नहाते वक्त भाई-बहन समेत तीन डूबते बचे,लोगों ने बचाई जान

हरदोई (यूएनएस)। मल्लावां क्षेत्र में कार्तिक पूर्णिमा के पांच दिन पहले शुरू होने वाले पचभीखा मेले में सोमवार को गंगा में स्नान के दौरान भाई–बहन समेत तीन लोग डूबने लगे। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की सूझ–बूझ से तीनों को बचा लिया गया। जानकारी के अनुसार, बरहुवां गांव के सुनील के परिवार के तीन सदस्य अंशिका (18), संघर्ष (11) और मनीष (19) गंगा में स्नान करने के लिए बेरिया घाट पर गए थे। इस दौरान आंशिका और मनीष गहरे पानी में चले गए। खुशनसीबी से, कुछ दूरी पर एक श्रद्धालु ने मनीष को पकड़कर बाहर खींच लिया और आंशिका को तौलिया पकड़ा कर गहरे पानी से बाहर निकाला। इसके बाद सभी को पुलिस की मदद से सीएचसी मल्लावां पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बेरियाघाट मेला क्षेत्र में स्थित पीएचसी कुतुवापुर, जहां से कुछ ही दूरी पर यह घटना घटी, वहां डॉक्टर की अनुपस्थिति ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया। पुलिस गाड़ी से गंभीर हालत में आंशिका को लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टर न मिलने से केवल फार्मासिस्ट, लैब असिस्टेंट और वार्ड बॉय मौजूद थे। मल्लावां कोतवाली के चालक रितेश कुमार की तत्परता ने आंशिका की जान बचाई। पीएचसी कुतुवापुर में डॉक्टर न मिलने के बाद, रितेश ने आंशिका को मल्लावां सीएससी में भर्ती कराया, जहां एक घंटे बाद उसे होश आया। रितेश कुमार इससे पहले भी एक घायल युवक को सीपीआर देकर उसकी जान बचा चुके थे। माधोगंज के अधीक्षक ने बताया कि पीएचसी कुतुआपुर में डॉक्टर लोकेश तैनात थे, लेकिन उनकी ड्यूटी पोस्टमार्टम हाउस में लगी हुई थी। अन्य सभी स्टाफ मौके पर मौजूद थे।

मनाया गया दावतुस्सुगरा का 800वां उर्स,अकीदतमंदों की उमड़ी भीड़

हरदोई (यूएनएस)। जिले के बिलग्राम नगर में प्रख्यात सूफी संत सैय्यद मोहम्मद दावतुस्सुगरा का 800वां दो दिवसीय उर्स ए वास्ती धूमधाम से मनाया गया। खानकाह आलिया, कादरिया चिश्तिया, मैदानपुरा में सज्जादा नशीन काजी शरअ सैय्यद उवैस मुस्तफा वास्ती के संयोजन में इस कार्यक्रम की शुरुआत कुरान की आयतों के पाठ से की गई। उर्स के दौरान हजरत सैय्यद मोहम्मद दावतुस्सुगरा के अध्यात्मिक गुरु हजरत ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी देहलवी और हजरत सैय्यद मोहम्मद कादरी का कुल शरीफ भी मनाया गया, जिसमें अकीदतमंदों ने आस्था और श्रद्धा से हिस्सा लिया। इसके बाद वास्ती कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से हजारों अकीदतमंदों ने शिरकत की। इस दौरान उलमाओं ने खुदा के संदेश और सूफी बुजुर्गों के महत्व पर प्रकाश डाला। दीन इस्लाम में सूफियों के योगदान और उनके अहम् किरदार के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध शायर मोहम्मद अली फैजी, नूर मुजस्सिम और अहमदुल फत्ता ने नातिया कलाम प्रस्तुत कर माहौल को और अधिक रूहानी बना दिया। कार्यक्रम के अंत में सैयद बादशाह हुसैन वास्ती ने मुल्क में अमन और शांति की दुआ की और अकीदतमंदों को नेक संदेश दिए। उर्स के समापन पर लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अकीदतमंदों ने शिरकत की। इस मौके पर सैयद उवैस मुस्तफा वास्ती, सैयद बादशाह हुसैन वास्ती, सैयद नजीब मियां, सैयद अमान मियां महरैरवी, सैयद सुहैल मियां, सैयद हुसैन मियां, सैयद फैजान मियां, सैयद अनस वास्ती, सैयद सालार वास्ती, सैयद अली हुसैन वास्ती बिलग्रामी सहित मुफ्ती रिजवान शरीफी, मुफ्ती मसूद बरकाती, मुफ्ती मंजूर आलम, मुफ्ती युनुस रजा उवैसी, मुफ्ती हम्माद रजा आदि मौजूद रहे।

वाराणसी पहुंचे 9 लाख दीये...देव दीपावली पर रौशन होंगे घाट

वाराणसी (यूएनएस)। धर्म की नगरी काशी में देव दीपावली का त्योहार भव्य तरीके से मनाने की जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या की दीपावली उत्सव की तर्ज पर काशी में देव दीपावली पर स्वयं दीया जलाकर इस पर्व का शुभारंभ करेंगे। ऐसे में काशी के घाटों पर 20 लाख दीये जलाने का लक्ष्य है। वाराणसी के पर्यटन अधिकारी के अनुसार वाराणसी सहित आस–पास के जिलों से भी दीये काशी पहुंच रहे हैं। वहीं कई स्वयं सहायता समूह द्वारा गोबर के दीये भी काशी भेजे जा रहे हैं। नमो घाट स्थित पर्यटन कार्यालय पर साढ़े 9 लाख दीये अभी तक पहुंच चुके हैं। इन दीयों को देव दीपावली पर घाटों पर प्रज्ज्वलित किया जाएगा। इसमें कई स्वयं सहायता समूह के द्वारा भेजा गया गाय के गोबर का भी दिया है। नमो घाट पर टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन ऑफिस के ड्यूटी अधिकारी विजय कुमार यादव ने बताया– यहां पर साढ़े 9 लाख से ज्यादा दीये आ गए हैं। इन्हे नमो घाट से लेकर अस्सी घाट तक जलाया जाएगा। विजय कुमार यादव ने बताया–वाराणसी के 85 घाटों पर ये दीये प्रज्ज्वलित होंगे। इन दीयों में कुछ गाय के गोबर के भी हैं। जो देवरिया, गोरखपुर और अन्य जिलों से बनकर आ रहे हैं। इन्हे भी जलाया जाएगा। इनकी खासियत है कि ये जलने के बाद सम्पूर्ण रूप से जल जाते हैं। जबकि मिटटी का दिया बचा रह जाता है।

शहर में खुले में रखे 7 ट्रांसफॉर्मर बने हैं खतरे का सबब

मऊ। जिले में कई जगहों पर खुले में रखे ट्रांसफॉर्मर हादसों को न्योता दे रहे हैं। अकेले शहर में सात से अधिक स्थानों पर खुले में ट्रांसफॉर्मर रखे गए हैं। सुरक्षा के लिए इन पर लोहे की जाली तक नहीं लगाई गई है। तार लटक रहे हैं। इससे आसपास रहने वाले लोगों समेत राहगीरों को हादसे का डर बना रहता है। तीन लाख से अधिक की आबादी वाले शहर में करीब 52 हजार बिजली उपभोक्ता हैं। उन्हें बिजली आपूर्ति के लिए छोटे–बड़े कुल 660 ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। शहर में कई भीड़भाड़ वाली जगहों पर सड़क के किनारे खुले में प्लेटफॉर्म पर ट्रांसफार्मर रखे गए हैं। ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर लोहे की जाली तक नहीं लगाई गई है। इससे इन ट्रांसफार्मर के आसपास के लोगों में हादसे को लेकर हमेशा भय बना रहता है। शहर में ओलंदगंज–जेसीज रोड, पॉलीटेक्निक स्थित मड़ियाहूं रोड, आंबेडकर तिराहे के पास, इंग्लिश क्लब तिराहा के पास, रुहट्टा, मछलीशर पड़ाव, तारापुर कॉलोनी समेत अन्य जगहों पर खुले में ट्रांसफॉर्मर रखे गए हैं। राहगीरों को मजबूरी में वहां से गुजरना पड़ता है।

उत्तर मध्य रेलवे

रजिस्ट्री सं.: डी.एल.-33004/99 REGD. No.: D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-यू.पी.-अ.-09112024-258562
CG-UP-E-09112024-258562
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II — Section 3 - Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4484 नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 9, 2024/कार्तिक 18, 1946
No. 4484 NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 9, 2024/KARTIKA 18, 1946

रेल मंत्रालय
[उत्तर मध्य रेलवे (गतिशक्ति यूनिट)]
अधिसूचना
प्रयागराज, 7 नवम्बर, 2024

का.आ. 4865(अ).–केन्द्रीय सरकार रेलवे (संसोधन) अधिनियम, 2008 (2008 का 11वाँ) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उपधारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II खण्ड 3, उप- खण्ड (ii) प्राधिकार से प्रकाशित अधिसूचना संख्या 3269, दिनांक 22 अगस्त 2024 में भारत सरकार के रेल मंत्रालय (उत्तर मध्य रेलवे (गतिशक्ति यूनिट)] की अधिसूचना संख्या- का.आ. 3585 (अ), दिनांक 21 अगस्त 2024 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले में विशेष रेल परियोजना अर्थात् **'प्रयागराज - कानपुर सेन्ट्रल लेवल क्रासिंग सं.-04 के स्थान पर किलोमीटर 838/7-9 पर बमरौली - मनौरी स्टेशनों के मध्य 02 लेन आर. ओ.बी. के निर्माण'** परियोजना के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा की थी;

और, उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 20क की उपधारा (4) के अधिन 'दैनिक समाचार' पत्रों अर्थात् 'अमर उजाला, प्रयागराज एवं हिन्दुस्तान टाईम्स, लखनऊ' में दिनांक 28 अगस्त 2024 को प्रकाशित किया गया था;

और छः आक्षेप प्राप्त हुए थे, सक्षम प्राधिकारी द्वारा उस पर विचार किया गया तद्नुसार आदेश पारित कर दिए गए हैं,

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 20इ की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी से उक्त रिपोर्ट के प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20इ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी;

और यह की केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 20इ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने पर इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर केन्द्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जाएगी।

अनुसूची

उत्तर प्रदेश राज्य में विशेष रेल परियोजना 'प्रयागराज - कानपुर सेन्ट्रल लेवल क्रासिंग सं.-04 के स्थान पर किलोमीटर 838/7-9 पर बमरौली - मनौरी स्टेशनों के मध्य 02 लेन आर. ओ. बी. के निर्माण' के लिए प्रयागराज जनपद के सदर तहसील में अधिग्रहण की जाने वाली अवसंरचना सहित या रहित भूमि का विवरण।

तहसील- सदर ग्राम- इब्राहिमपुर बम्हरौली

क्र. सं.	खाता संख्या	खसरा संख्या	अर्जन हेतु रकबा (हे.)	अर्जन हेतु रकबा (वर्ग मी.)	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	वर्तमान खतौनी के अनुसार भू-स्वामी का नाम
1	70	11	0.0544	544.00	अशासकीय	कृषि	शिवमूरत, सन्तोष पुत्रगण तुलसी, अनारकली पत्नी तुलसी, ग्रामवासी- पासी मनोज कुमार पुत्र लल्लू प्रसाद, नि0 9/10 काशीराम आवास योजना देवघाट झलवा। छोटे पुत्र सुखदेव, रामानन्द पुत्र श्रीनाथ, भैरवलाल, छंगुलाल पुत्रगण गोलई, ग्रामवासी- पासी। पार्वती देवी पत्नी कमलेश कुमार, श्याम कुमार पुत्र कमलेश कुमार, नेहा कुमारी, चाँदनी कुमारी पुत्रीगण कमलेश कुमार, श्रीमती चमेला देवी पत्नी ननकुलाल, बलहेपुर तह0 चायल कौ0। श्रीमती गीती देवी पत्नी राममूर्ति, श्रीमती सुषमा देवी पत्नी सुभाष, श्रीमती राली पत्नी अमृतलाल, नि. ग्राम। दयाराम पुत्र भोला, अशरफपुर, खुदीलाल पुत्रगण मोहन, नि. काजीपुर। जगदीश पुत्र बसन्तलाल, नि. ग्राम।
2	25	20/1	0.0248	248.00	अशासकीय	कृषि	पुन्नीलाल, सन्तलाल, अमर पुत्रगण वंशी, नि. ग्राम।
	18	20/2			अशासकीय	कृषि	कुसुम देवी पत्नी ज्ञानचन्द्र उषा देवी, निराशा पुत्रीगण ज्ञानचन्द्र, कमलेशचन्द्र, सुरेशचन्द्र, रमेशचन्द्र पुत्रगण अनन्दी, गुलाबी देवी पत्नी रामचन्द्र, रितिक ना. बा. 14 वर्ष पुत्र रामचन्द्र संरo गुलाबी देवी, सुरज पुत्र रामचन्द्र, आकांक्षा पुत्री रामचन्द्र नि. ग्राम।
3	31	21	0.0058	58.00	अशासकीय	कृषि	बिपत, सिपत, गनेश पुत्रगण कल्लू, ग्रामवासी-पासी, श्रीमती राजकली पत्नी गोविन्द प्रसाद, ग्राम-अहमदपुर पावन।
4	39	23	0.0092	92.00	अशासकीय	कृषि	आनन्द कुमार व श्रीमती आशा देवी मखन्लू/नि0ग्राम। कोमल कुमारी पुत्री मक्खन लाल नि0 ग्राम। मुन्शी लाल, रामनरेश, राम शिरोमणि व सुरेश चन्द्र/पद्मा लाल/ व श्रीमती रामपती/पन्ना लाल /नि0ग्राम। राम लाल व शिव लाल / प्रेमी व श्रीमती जगदेई/प्रेमी नि0ग्राम। श्रीमती सुषमा देवी/राम सुमेर/नि0मन्दरी तह0 सदर इला0।
5	38	57	0.0091	91.00	अशासकीय	कृषि	मुन्नू लाल व राम बिलास पुत्र समऊ नि0ग्राम। श्रीमती गीता देवी/राम मूर्ति/नि0 ग्राम। श्रीमती पितन देवी/प्रेम चन्द्र/नि0 पतरवा बम्हरौली, इला0 श्रीमती ननकी देवी/रामचन्द्र/नि0 बम्हरौली उपरहार।
6	76	59	0.0038	38.00	अशासकीय	कृषि	लालती देवी/जवाहर लाल/नि0 ग्राम। श्रीमती विमला देवी/बन्ना लाल/नि0 बेगमपुर। श्रीमती उर्मिला देवी/ओम प्रकाश/नि0ग्राम। श्रीमती बिट्टन देवी/मिठाई लाल/नि0 ग्राम। श्रीमती सुरेख देवी/सुरेन्द्र कुमार/नि0 ग्राम। श्रीमती निर्मला देवी/चेतानन्द/नि0ग्राम। श्रीमती कुसुम देवी/राम औतार/निग्राम। राजा राम व पुहुन/रामकेवल/नि0ग्राम।
7	56	103	0.0050	50.00	अशासकीय	कृषि	राजेन्द्र कुमार व नरेश कुमार/रामप्रकाश कोहली/नि0 170 सुलेमसराय। रमेस कुमार व सुनील कुमार/तीरथराम कोहली/नि0 170 सुलेमसराय। श्रीमती रिंकू तिवारी/विनोद कुमार/नि0 इनकम टैक्स आफिस के पास लूशन बगीचा कैंट जिला गुना (म0प्र0)। नितिन साहू व सावन साहू/अलोक कुमार साहू/नि0 1 वोस्ट खुशरूबाग, तह0 सदर जि0 प्रयागराज। रामप्रकाश यादव/हरिनारायण यादव/नि0 बरलई बड़ागाँव जि0 मऊ। श्रीमती माया केसरवानी/मनमोहन केसरवानी/नि0 153द्द1 कालाडांडा, हिम्मतगंज। श्रीमती रीना देवी/राजेन्द्र कुमार केसरवानी/नि0 613अ/153 कालाडांडा, हिम्मतगंज। श्रीमती शिमला साहू पत्नी संजय साहू संगीता केसरवानी/उमेश चन्द्र केसरवानी/नि0 कोखराज, कौशाम्बी। श्रीमती संध्या केसरवानी/विजय कुमार केसरवानी/नि0 डी/36टी0पी0 नगर धूमनगंज गयासुद्दीनपुर। मो0 हसमी व मो0 कौनेन/उद्दी अली/नि0 123 ग्राम लौगांव, पोस्ट कुम्हीयावाँ मझानपुर कौशम्बी। श्रीमती सुनीता वर्मा/प्रदीप कुमार/नि0 घुरीपुर उदयपुर वराणसी। श्रीमती तबस्सुम निशा/मो0 हनीफ/नि0 ग्राम लौंगांवा तह0 मझनपुर। श्रीमती पूनम ओझा/रमाकान्त ओझा/नि0 ग्राम खपहिहा मऊ चित्रकूट। प्रीती दूबे/अमित कुमार दूबे/नि0 180 नगरीपार धोसी जिला मऊ। जर्नादन सिंह/ दयाराम/आलमपुर मुगलसराय जि0 चन्दौली। श्रीमती इसरावती/जंगबहादुर यादव/नि0 ग्राम निपनियाँ तंगोवल दूबे जिला देवरिया। श्रीमती नीलम द्विवेदी/विनय कुमार द्विवेदी/नि0ग्राम सुवनीपुर कला पोस्ट हनुमानगंज तहसील पूलपुर। श्रीमती हेमा यादव/शशिकान्त यादव/नि0 बाहा पोस्ट गोसाईपुर मोहाब जि0 वराणसी। इन्तेजार अहमद अन्सारी/मो0 सहजादे अंसारी/ नि0 नीमसराय मुण्डेरा श्रीमती सायमा बनों/इन्तेजार अहमद/नि0 नीमसराय मुण्डेरा। मानवेन्द्र यादव/हर्षदेव यादव/नि0 मकान नं0 32 बी0/सी0/5, चक मुण्डेरा तह0 सदर जिला प्रयागराज। श्रीमती चन्दा यादव पत्नि/मानवेन्द्र यादव पुत्री छोटेलाल यादव नि0 मकान नं0 32 बी0/सी0/5, चक मुण्डेरा तह0 सदर जिला प्रयागराज। श्रीमती सुधा पाण्डेय/राजेश कुमार पाण्डेय/नि0 मन्दरदेहमाफी। ब्रम्ह प्रकाश दूबे/उमाशंकर दूबे/नि0भगवतपुर। श्रीमती बेलपती पत्नि/चन्दरलाल/नि0 मन्दरदेह माफी श्रीमती रीना कुमारी पाठक/विजय नरायण पाठक पुत्री श्री अक्षयवर पाठक/ नि0 सिगरौर कालोनी, यस0पी0 बालिका कॉलेज बेगम बाजार बम्हरौली, तह0 सदर, जि0 प्रयागराज। राधा देवी पत्नी श्यामरूप।
	योग		0.1121	1121.00			

तहसील- सदर ग्राम- मन्दर देह माफी

1	100	307	0.0158	158.00	अशासकीय	कृषि	नन्दलाल/शारदा प्रसाद/स्थानीय
2	261	297 क	0.0120	120.00	अशासकीय	कृषि	अलाउद्दीन पुत्र आबिद अली नि0 एल0आई0जी0 192 कालीन्दीपुरम, राजरूपपुर। गुफरान हुसैन व जुल्फेकार हुसैन पुत्रगण इजहार हुसैन व श्रीमती शुल्ताना पत्नी इजहार हुसैन नि0ग्रा0। वसर अहमद/परवेज अहमद व शहाना बेगम/परवेज अहमद नि0ग्रा0। श्रीमती आषमा बेगम/तुफैल अहमद नि0 तुर्काना नई झूँसी फूलपुर।
	44	297 ख			अशासकीय	कृषि	अलाउद्दीन पुत्र आबिद अली नि0 एल0आई0जी0 192 कालीन्दीपुरम, राजरूपपुर। अफताब अली पुत्र मो0 अली/स्था0 व आबिद अली, तौफीक अहमद, तौहीद अहमद, फुजैल अहमद व महमूद अहमद पुत्रगण मकबुल अहमद व श्रीमती खुषनुदा बेगम पत्नी मकबूल अहमद नि0ग्रा0। महफुज अहमद पुत्र हैदर अली/स्था0। शमसाद अली पुत्र मो0 अली/स्था0 श्रीमती सुग्गन देवी पत्नी नत्थू लाल नि0 अहमदपुर असरौली। श्रीमती सुग्गी देवी पत्नी पुन्न लाला नि0 अहमदपुर असरौली। श्रीमती सुमिन्तरा देवी पत्नी मुन्नीलाला नि0 अहमदपुर असरौली। साजिद अली पुत्र रमजान अली/स्था0 सायमा बेगम/मो0 जावेद नि0 सुरसैनी चायल कौशाम्बी। सुहैल अहमद/मकबूल अहमद नि0ग्रा0। हामीद अली पुत्र रमजान अली नि0ग्रा0।
3	304	293 मि	0.0130	130.00	अशासकीय	कृषि/अकृषि	राजीव नन्दन/बृजनन्दन शर्मा/जे0पी0 कालोनी मन्दर रोड, इला0। अखीलेश पाण्डेय पुत्र दीनानाथ पाण्डेय नि0 टाउप ए-46 भोल टाउनशिप झाँसी।
	304	293क मि			अशासकीय	कृषि	राजीव नन्दन/बृजनन्दन शर्मा/जे0पी0 कालोनी मन्दर रोड, इला0। अखीलेश पाण्डेय पुत्र दीनानाथ पाण्डेय नि0 टाउप ए-46 भोल टाउनशिप झाँसी।
	237	293 क मि			अशासकीय	कृषि	कमाल अहमद/निजामउद्दीन/हनुमानगंज। दीनानाथ दूबे/हनुमान प्रसाद दूबे/नि0ग्राम तिवारी खरहरा पोस्ट नवटी मिर्जापुर। नीलम मिश्रा/रमाशंकर मिश्रा/नि0 ग्राम। मुन्ना/बजरंगीलाल/9 चक मुण्डेरा। मुमताज अली/मो0 बस्ती/201 ई0डब्लू0एस0ए0 डी0ए0 कालोनी नीम सराय। अरूण कुमार पुत्र पन्ना लाल नि0ग्राम। रमेश चन्द्र मिश्र/हरिशचन्द्र मिश्र/52 त्रिपोलिया रोड, इला0। रामफल/रामपाल/परसिद्धपुर, तह0 खागा, जिला फतेहपुर। रामभवन सिंह/पृथ्वीराज सिंह/ नि0ग्राम। श्रीमती उमा/दिलीप कुमार त्रिपाठी/अब्दुल वहाबपुर। शुशीला यादव/मनोज कुमार यादव/चकमुण्डेरा। शकुंतला मिश्रा पत्नी रमेश चंद्र सुशील पांडेय पत्नी दीनानाथ पांडेय।
	61	293 क मि			अशासकीय	कृषि	ओंकारनाथ त्रिपाठी/अमरनाथ त्रिपाठी/नि0ग्राम।
	238	293 ग मि			अशासकीय	कृषि	रवि सिंह/दिनेश प्रताप सिंह / नि0 ग्राम। राम भवन सिंह/पृथ्वीराज सिंह/नि0ग्राम।
4	05	288	0.013	13.00	अशासकीय	कृषि	अनवर अहमद, गुलाम अहमद व शमशाद अहमद/मुमताज हुसैन/स्था0। श्रीमती सुर्मिला साह पत्नी सुरेश चन्द्र साह नि0 41के/6द्दल, जयन्तीपुर साकेत नगर। रविशंकर मिश्र/लवप्रसाद मिश्र/हुसैनपुर अहमदपुर पावन। कासिक पुत्र गुलाम साबिर।
5	35	328	0.0034	34.00	अशासकीय	कृषि	अशोक कुमार सिंह/राजेन्द्र प्रताप बहादुर सिंह/नि. ग्राम
6	60	324/1	0.0081	81.00	अशासकीय	कृषि	उमानाथ, ओंकारनाथ व दयानाथ/नि. ग्राम, श्रीमती अपल कुमारी/अमरनाथ, नि. ग्राम
	273	324/2			अशासकीय	कृषि	विनयप्रकाश व वेदप्रकाश/विशम्भरनाथ/नि. ग्राम, शम्भुनाथ/रामकुमार/स्था., श्रीमती कमला देवी/विशम्भरनाथ/नि. ग्राम आलिमा हाज़िम पत्नी मुशीर अहमद
7	231	322	0.0112	112.00	अशासकीय	कृषि	घनश्याम, राधेश्याम/ खुन्नुलाल, नि. ग्राम, रामबाबु, श्याम व श्यामबाबु/अत्रिमुनी/नि. ग्राम, श्रीमती मन्जु देवी/खुन्नुलाल/नि.ग्राम, श्रीमती महरुनिशा/कलीमउद्दीन/नि. ग्राम, श्री श्याम् नाबा. उम्र 15 वर्ष/खुन्नुलाल सं. मंजू देवी माता/नि. ग्राम
8	177	309	0.0134	134.00	अशासकीय	कृषि	मो. रफीक/जमालउद्दीन/स्था.
	योग		0.0782	782.00			
	कुल योग		0.1903	1903.00			

[E office F. No. NCR-PRYJ0ENGG (LAND)/9/2023 O/o CPM/GSU/PRYJ.]
1964/24(A) जे.सी. चौरसिया, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/आरएनपी
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कांग्रेस ने अभ्यर्थियों के समर्थन में ज्ञापन दिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में आयोजित होने वाली पीसीएस प्री 2024 एवं त्, ।त्व की परीक्षा में भाजपा सरकार द्वारा नॉर्मलाइजेशन लागू किए जाने के विरोध में महानगर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन के नेतृत्व मे मंडलायुक्त प्रयागराज को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने में इलाहाबाद के माननीय सांसद उज्जवल रमण सिंह, पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष मिश्रा,ब बमसस प्रयागराज के अध्यक्ष राम मनोरथ सरोज, आदि वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

प्रयागराज में 25 साल की प्रतियोगी छात्रा फंदे से लटकी:
एक महीने पहले किराए पर लिया था कमराय चौकी इंचार्ज का था घर आना-जाना

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुना नगर के नैनी कोतवाली अंतर्गत गंगोत्री नगर इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही एक छात्रा की संदिग्ध स्थिति में कमरे में लाश मिली है। मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में

ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है, वो प्रयागराज के लिए रवाना हो हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि छात्रा के कमरे में प्रयागराज के एक थाने में तैनात चौकी इंचार्ज का अक्सर आना–जाना था। हालांकि, छात्रा और चौकी इंचार्ज के बीच संबंध क्या था, अभी स्पष्ट नहीं है और इस मामले में आगे की जांच की

ग ए य ह ज ा रही है। मूल रूप से एटा जिले के निवासी सुरेंद्र सिंह की 25 वर्षीय बेटी प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। पिछले एक माह से वह नैनी के गंगोत्री नगर में लालजी पटेल के घर के भूतल में कमरा किराए पर लेकर रह रही थीं। मंगलवार देर रात मकान मालिक ने डायल 112 पर सूचना दी कि उनके यहां किराए पर रहने वाली छात्रा ने अपने कमरे में दरवाजे के ऊपर की खिड़की से दुपट्टे का सहारा लेकर फांसी लगा ली है। सूचना पर पुलिस अधिकारी एसीपी करछना वरुण कुमार और नैनी पुलिस वहां पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके से उंगलियों के निशान और अन्य सबूत एकत्र किए। पुलिस ने बताया कि जब टीम मौके पर पहुंची तो छात्रा का शव फंदे से उतारा जा चुका था। पुलिस को कमरे से कुछ दवाइयां और मेडिकल जांच की रिपोर्ट भी मिली हैं, जिनकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचित किया। मोहल्ले वालों के अनुसार, छात्रा यहां एक माह पहले ही किराए पर रहने आई थीं और एक नजदीकी थाने के चौकी इंचार्ज (सब इंस्पेक्टर) का उनके घर पर आना–जाना था। हालांकि, चौकी इंचार्ज और छात्रा के बीच संबंधों का वास्तविक स्वरूप मृतका के परिजनों या पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

प्रतापगढ़ से खराब प्रयागराज की आबोहवा

प्रयागराज की आबोहवा प्रतापगढ़ से भी अधिक खराब हो गई है। यद्यपि मंडल के दोनों जिले अब यलो जोन में हैं, लेकिन प्रयागराज का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) प्रतापगढ़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से हवा में प्रदूषण जांचने के लिए लगाए गए यंत्रों के अनुसार बुधवार सुबह नौ बजे प्रयागराज का एक्यूआई 122 रहा। वहीं, प्रतापगढ़ का एक्यूआई 104 था। शहर के झूंसी में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय में लगे यंत्र में 130 और सिविल लाइंस के नगर निगम में एक्यूआई 130 और 115 दर्शा रहा था। झूंसी की आबोहवा में मोटे धूल (पीएम–10) की मात्रा अधिकतम 399 तक पहुंच गई, जो अस्वस्थ लोगों के लिए ठीक नहीं है। सिविल लाइंस की हवा में पतली धूल (पीएम–2.5) की मात्रा अधिकतम (227) पाई गई।

प्रयागराज में भवनों के अपशिष्ट निस्तारण का शुल्क तय

प्रयागराज। भवनों के सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकासी के लिए निर्धारित शुल्क देना होगा। भवनों के प्रकार के आधार पर अपशिष्ट निकासी के लिए अलग–अलग दरें तय की गई हैं। जलकल के साथ प्राइवेट एजेंसी भी अपशिष्ट का निस्तारण करेंगी। भवनों के प्रकार के आधार पर अपशिष्ट निस्तारण के लिए जलकल विभाग भवनस्वामियों से शुल्क वसूलेगा। भवनों के सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकासी के लिए प्रदेश सरकार ने गजट जारी किया है। गजट जारी करने के पहले जलकल ने अलग–अलग भवनों के सेप्टिक टैंक से निकलने वाले अपशिष्ट के लिए प्रस्तावित दरों पर लोगों से सुझाव मांगे। नगर निगम सदन ने प्रस्तावित दरें लागू करने के लिए संकल्प पारित किया। शहरी भवनस्वामियों से सुझाव नहीं मिला तो भवनों के सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकालने के लिए प्रस्तावित दरें लागू कर दीं। अपशिष्ट निस्तारण के लिए जल निगम ने सलोरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पास खास तरह का प्लांट तैयार किया है। जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि अपशिष्ट निकासी के लिए भवनों के आकार व प्रकार पर 300 से तीन हजार रुपये तक शुल्क निर्धारित किया है। निजी एजेंसियां भी यह काम कर सकेंगी, लेकिन उनको जलकल में अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। इससे पहले जलकल भवनों को सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकासी के लिए एक हजार से दो हजार रुपये तक शुल्क वसूलता था।

सपा विधायक पूजा पाल भाजपा प्रत्याशी के लिए मांग रहीं वोट, बोलीं– योगी ने दिलाया न्याय

प्रयागराज। समाजवावादी पार्टी की विधायक पूजा पाल फूलपुर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के लिए वोट मांग रही हैं। उन्होंने कई गांवों में दौरा कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। पूजा पाल पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं, जिनकी माफिया अतीक अहमद और अशरफ ने हत्या करवा दी थी। पूजा पाल वर्तमान में कौशाम्बी जिले की चायल विधानसभा सीट से सपा की विधायक हैं।

हंडिया में सिर कूंचकर युवक की हत्या, चारपाई पर मिला खून से लथपथ शव

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के लाक्षागृह गांव में मंगलवार की रात छप्पर में सो रहे एक अंडा के दुकानदार युवक की अज्ञात हमलावरो ने सिर कूच कर हत्या कर दी। सुबह जब देर तक वह वापस घर नहीं पहुंचा तब घर वाले उसका पता लगाने के लिए छप्पर के पास गए। चारपाई पर खून से लथपथ मृत पड़े उसे देखकर परिवार के होश उड़ गए। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। लाक्षागृह गांव निवासी बादल वर्मा (19) पुत्र बबलू वर्मा अंडे की दुकान लगाकर परिवार का भरण पोषण करता था। रोज की तरह खाना खाने के बाद वह अपने छप्परनुमा घर में सोने के लिए चला गया। सुबह काफी देर तक सोकर न उठने पर परिजन जब उसको जगाने के लिए गए तो खून से लथपथ उसका शव देखकर चीख पड़े। उसके सिर को बुरी तरह से किसी वजनी वस्तु से कूंचा गया था। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना के पीछे कारणों का पता नहीं चल सका है। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई और घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र किए। परिवार के लोगों से भी पूछताछ की गई। कोतवाल बृजकिशोर गौतम ने बताया कि परिजनों द्वारा दिए गए अज्ञात हमलावर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

राज्य षि सेवा प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को चुनौती, याचियों के प्राप्तांक तलब

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उप्र लोक सेवा आयोग को राज्य कृषि सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा में याचियों को मिले अंक पेश करने का आदेश दिया है। इस पर याची अपनी आपत्ति दाखिल कर सकेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की अदालत ने देवेश वत्स व दो अन्य की ओर से प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता सिद्धार्थ खरे व अनुराग कुमार ओझा ने दलील दी कि उप्र लोक सेवा आयोग ने 10 अप्रैल 24 को भर्ती विज्ञापन निकाला। याचियों ने प्रारंभिक परीक्षा दी। विज्ञापन की शर्तों के मुताबिक मुख्य परीक्षा के लिए एक पद के सापेक्ष 15 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया जाना था। लेकिन, एक पर साढ़े सात के अनुपात में 2029 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। जबकि, नियमानुसार 4020 अभ्यर्थियों को सफल घोषित करना चाहिए था। इसके अलावा याचियों ने आयोग की उत्तर कुंजी पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी। इसका निस्तारण नहीं किया गया। लिहाजा, 18 सितंबर 24 को घोषित प्रारंभिक परीक्षा परिणाम रद्द किए जाने योग्य है। वहीं, आयोग के अधिवक्ता एमएन सिंह ने कोर्ट को बताया कि भर्ती की शर्त है कि सामान्य श्रेणी के लिए 40 फीसदी व आरक्षित श्रेणी के लिए 35 फीसदी अंक पाना अनिवार्य है। जबकि, आनुपातिक आधार पर निर्धारित अंक पाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या कम होने के कारण, कम अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा परिणाम याची संख्या तीन की उत्तर कुंजी पर की गई आपत्ति पर विचार करके ही परिणाम घोषित किया गया है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए 14 नवंबर तक याचियों के प्राप्तांक अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

ज्वेलरी की दुकान में लाखों की चोरीरूप्रयागराज के कोठापार्चा बाजार में है रघुवंशी ज्वेलर्स

प्रयागराज। प्रयागराज के कोठापार्चा बाजार स्थित रघुवंशी ज्वेलर्स के यहां चोरों ने दीवार में सेंध मारी करके लाखों के रुपये के सोने व चांदी के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया मंगलवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद जांच शुरू कर दी। 15 लाख के गहने हुए चोरी कोठापार्चा के रहने वाले राजेश सिंह घर के पास ही ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। सोमवार की रात करीब नौ बजे दुकान बंद करके वह घर चले गए। मंगलवार को जब दुकान खोला तो भीतर का नजारा देखकर वह हैरान रह गए। दीवार में एक तरफ सेंध लगी थी और वहीं दूसरी तरफ लोहे का रंभा पड़ा हुआ था। दुकान से 15 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए थे। वहीं चोरी की जानकारी होते ही मौके पर व्यापारियों की भीड़ लग गई। इलाहाबाद ज्वेलर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह, अनूप वर्मा, रंजीत सिसोदिया, राजू सिंह आदि मौके पर पहुंचे। बगल की बंद दुकान के सहारे घुसे थे चोर पुलिस की जांच में सामने आया कि चोर बगल की लंबे समय से बंद दुकान की छत पर सीढ़ीयों के सहारे चढ़े थे। उसके बाद ज्वेलरी की दुकान में सेंध मारी की। पुलिस को मौके से सीढ़ी भी लगी मिली। पुलिस ने इस बारे में कारोबारियों से पूछताछ भी की, लेकिन कोई कुछ बता नहीं सका। पुलिस ने इस बारे में मार्केट में घटना के समय ड्यूटी पर रहे निजी सुरक्षाकर्मी से भी पूछताछ की। वह भी कुछ नहीं बता सका। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज में कल आएंगे सपा अध्यक्ष:
फूलपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी के समर्थन में करेंगे जनसभा

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और भाजपा में कांटे की टक्कर है। ऐसे में सपा प्रत्याशी मुस्तबा सिद्दीकी के समर्थन में बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जनसभा को संबोधित करेंगे। फूलपुर के रुद्रापुर में होने वाली जनसभा के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोक दी है। जनसभा में लोगों को जुटाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को होने वाली जनसभा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को गंगापार जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों रुद्रापुर पहुंचे। यहां पर तैयारियों को देखा। जनसभा के लिए विशाल पंडाल तैयार किया गया है। जनसभा तक लोगों के पहुंचने के लिए पार्टी की तरफ से विशेष तैयारियां की गई है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**